प्रेरणा स्रोत
स्व. श्री यशवंतजी घोड़ावत

RNI No. MPHIN/2018/76422

माही की गूंज

बेबाकी के साथ..सच

Www.mahikigunj.in, Email-mahikigunj@gmail.com

सुविचार

सफलता दो बार प्राप्त होती है। एक बार मन में और दूसरी बार वास्तविक दुनिया में।

अज़ीम प्रेमजी

वर्ष-03, अंक - 20 (साप्ताहिक) खवासा, गुरुवार 18 फरवरी 2021 पृष्ठ-8, मूल्य-5 रुपए

कोरोना संकट में भी सार्क देशों की बैठक की मेजबानी करेगा भारत, पाकिस्तान भी आमंत्रित

नई दिल्ली एजेंसी। कोरोना संकट पर चर्चा के लिए दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय संगठन देशों की स्वास्थ्य सचिव-स्तर की आयोजित होने वाली वर्चुअली बैठक की मेजबानी भारत कर रहा है। पाकिस्तान को इस वर्कशॉप में हिस्सा लेने के लिए आमंत्रित किया गया है। गौरतलब है कि, दोनों देशों के बीच काफी समय से रिश्ते खराब हैं, यह कोरोना प्रबंधन को लेकर वर्चुअल वर्कशॉप है, इस दौरान महामारी के खिलाफप्रतिक्रिया पर चर्चा होगी।

बता दें कि, 15 मार्च 2020 को सार्क देशों के राष्ट्राध्यक्षों के एक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग मीटिंग के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस क्षेत्र के लिए कोरोना वायरस इमरजेंसी फंड का प्रस्ताव दिया था। यह आपातकालीन कोष वैश्विक महामारी के जवाब में स्थापित किया गया था। सार्क के अन्य सदस्यों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के समर्थन के प्रस्ताव पर समर्थन व्यक्त किया था। भारत ने इसमें 10 मीलियन यूएस डॉलर का योगदान दिया।

महामारी के खिलाफलड़ाई में भारत की अहम भूमिका

कोरोनो वायरस महामारी के खिलाफलड़ाई में भारत बड़ी अहम भूमिक निभा रहा है। भारत ने कई देशों को वैक्सीन मुफ्त में उपलब्ध कराई है। बांग्लादेश को 20 लाख खुराक, म्यांमार को 17 लाख खुराक, नेपाल को 10 लाख खुराक, भूटान को 1 लाख 50 हजार खुराक, मालदीव को टीके के 1 लाख खुराक गिफ्ट किए गए हैं। इसके अलावा मॉरिशस को 1 लाख, सेशेल्स को 50 हजार, श्रीलंका और अफगानिस्तान को भी खुराक मुहैया कराई है।

वोट के बदले नोट मामले में फंसे कांग्रेस सांसद रेड्डी

हैदराबाद एजेंसी। भ्रष्टाचार रोधी विशेष अदालत ने वोट के बदले नोट मामले में कांग्रेस सांसद ए. रेवंत रेड्डी और दो अन्य लोगों के खिलाफआरोप तय किए है। यह मामला 2015 में सामने आया था। तेलंगाना के भ्रष्टाचार रोधी ब्यूरो (एसीबी) के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि, अदालत ने रेड्डी और दो अन्य के खिलाफआरोप तय किए हैं, अब इन लोगों के खिलाफसुनवाई चलेगी। इस मामले में अगली सुनवाई 19 फरवरी को होगी। अधिकारी ने बताया कि, सुनवाई के लिए तारीख की सूची जारी होने के बाद गवाहों के बयान दर्ज कराए जाएंगे। बता दें कि, एसीबी ने 31 मई 2015 को रेड्डी को नामित विधायक एल्विस स्टीफेंसन को 50 लाख रुपए घूस देते हुए पकड़ा था। रेड्डी तब तेलुगु देसम पार्टी (टीडीपी) में थे। रेड्डी पर 1 जून 2015 को हुए विधान परिषद चुनाव में टीडीपी के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने के लिए स्टीफेंसन को घूस देने का आरोप लगा था।

मोबिलाइजर पद के लिए हुए आवेदन में लगातार हो रहे नए-नए खुलासे

मोबिलाइजर बनने के लिए रिकॉर्ड में भी कर दी हेरा-फेरी, पेटलावद जनपद में सामने आया गंभीर मामला

नकली अंक सूची से लेकर फर्जी अनुभव और रिकॉड में हेरा-फेरी के मामले आए सामने

माही की गूंज, पेटलावद। राकेश गेहलोत

सरकारी नोकरी की ललक इस कदर लोगो के दिमाग पर हावी हो गई है कि, दो-तीन हजार की सरकारी नोकरी के लिए भी फर्जी दस्तावेज और रिकॉर्ड में हेरा-फेरी तक कर अपना भविष्य बर्बाद करने से नही चूक रहे। ऐसे खुलासा रोज हो रहे है और जैसे-जैसे मोबिलाइजर पद की भर्ती में आपत्ति आती रहेगी ऐसे ओर भी गंभीर मामले सामने आ सकते है। तारखेड़ी, बेड़दा सहित पेटलावद विकास खण्ड की ज्यादातर पंचायतो में चयन प्रक्रिया पर सवाल खड़े हो रहे है। ताज़ा मामला मोहकमपुरा पंचायत में समाने आया, जहा नोकरी पाने के लिए रिकॉर्ड में भारी हेरा-फेरी की गई है।

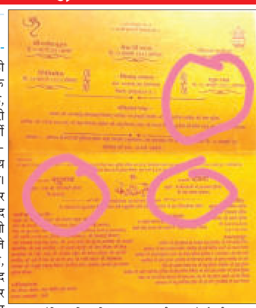

आवेदिका का विवाह पत्रिका अनुसार 15 फरवरी 2021 को हुई शादी।

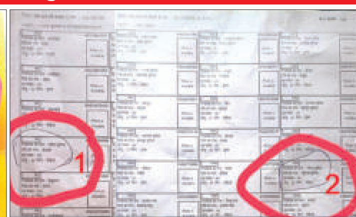

घेरे में क्रं. 1 में बदनावर विधानसभा की वोटर आईडी में तो क्रं. 2 में पेटलावद विधानसभा की वोटरआईडी में नाम दर्ज।

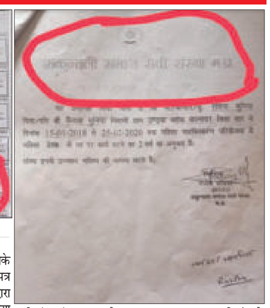

- पिता के नाम के साथ 25 फरवरी 2020 तक का अनुभव प्रमाण-पत्र बना जिसमें जारी दिनांक भी अंकित नही।

शादी के पूर्व ही आवेदीका ने बता दिया विवाहीता

पंचायत राज संचालनालय मध्यप्रदेश द्वारा राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अधिनियम अन्तर्गत पैसा गतिविधियो के क्रियान्ययन हेतु ग्राम सभा मोबिलाइजर के चयन बाबद आवेदन पत्र आंमत्रित किए गए। पंचायत ग्राम सभा मोबिलाइजर की चयन प्रक्रिया व मापदण्ड अनुसार समस्त आवश्यक दस्तावेज सहित आवेदन पत्र पेश कए जाने थे। ग्राम पंचायत मोहकमपुरा द्वारा जारी की गई अभ्यार्थीयो की वरियता सूची मे अभ्यार्थीया मे रविना को प्रथम स्थान दिया गया। आपत्तिकर्ता ने लिखित शिकायत एसडीएम को की। शिकायत में बताया ग्राम सभा मोबिलाइजर की चयन प्रकिया व मापदण्ड दिए गए, उन मापदण्डो मे रविना, नही आती है। क्योकि रविना ग्राम पंचायत मोहकमपुरा की स्थाई निवासी नही है। ग्राम बडाउण्डवा मुलथान तहसील बदनावर जिला धार की स्थाई निवासी होकर उसका आवेदन दिनांक तक तथा वरियता सूची जारी किए जाने तक रघुनाथ पिता राजु भुरिया निवासी ग्राम चन्द्रगढ तहसील पेटलावद के साथ विवाह नही हुआ था। रविना के पिता का नाम कैलाश मुनिया, माता का नाम सुन्दरबाई है। उसके द्वारा जो नामाकंन आवेदन पत्र प्रस्तुत किया, उसमे उसके द्वारा श्रीमती रविना पति रघुनाथ भूरिया के नाम से दिया गया।

15 फरवरी को हुई शादी

आपत्तिकर्ता ने बताया कि, रवीना ने अपने आपको आवेदन में विवाहित बताया है, जबकि आवेदन तिथि तक रवीना का विवाह नही हुआ था। छपवाई गई विवाह की पत्रिका अनुसार 15 फरवरी 2021 को विवाह सम्पन्न हुआ है। आपत्ति के साथ साक्ष्य के रूप मे पत्रिका भी सलग्न की है। अभ्यर्थी रविना का विवाह रघुनाथ के साथ हुआ ही नही था, उसके बाद भी उसके द्वारा आवेदन पत्र मे गलत जानकारी उल्लेख कर प्रथम वरीयता सूची गलत जानकारी के आधार पर बनाई गई।

शेष पृष्ठ क्रमांक 5 पर देखें...

खेत में जाने के लिए राष्ट्रपति से हेलीकॉप्टर खरीदने के लिए की कर्ज की मांग

माही की गूंज, मंदसौर। साहिल अगवान

मंदसौर जिले के एक गांव में रहने वाली महिला ने राष्ट्रपति से कर्ज देने की गुहार लगाई है। कर्ज लेकर महिला हेलीकॉप्टर खरीदना चाहती है जिससे वो अपने खेत तक जा सके। ऐसा करने की वजह ये है कि, महिला के खेत के पड़ोस वाले खेत मालिक ने उसे खेत तक जाने का रास्ता नहीं दिया है। कई बार अधिकारियों से गुहार लगाने के बाद भी जब महिला को अपने ही खेत में जाने का रास्ता नहीं मिला तो उसने परेशान होकर राष्ट्रपति को पत्र लिखकर हेलीकॉप्टर खरीदने के लिए कर्ज की मांग की है।

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ पत्र

मंदसौर जिले के आगर गांव की रहने वाली महिला बसंती बाई ने ये पत्र लिखा है, जो राष्ट्रपति को भेजे जाने से पहले ही सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। बसंती बाई के रिश्तेदार के मुताबिक खेत पर जाने का रास्ता न मिलने से बसंती बाई बहुत परेशान हो चुकी है। कई बार अधिकारियों से भी गुहार लगाई लेकिन उसकी समस्या का निदान नहीं हुआ। इसलिए बसंती बाई ने अब राष्ट्रपति को अपनी परेशानी बताने का फैसला लिया। वह शिकायत पत्र लिखवाने के लिए टाइपिस्ट के पास गई और जब टाइपिस्ट ने उससे पूछा कि, अगर खेत का रास्ता बाधित है तो तुम अपने खेत पर कैसे जाओगी तो, बसंती बाई ने कहा कि, रास्ता नहीं देंगे तो क्या हम खेत नहीं जाएंगे? हम हेलीकॉप्टर से खेत जाएंगे। आप पत्र में लिख दो कि या तो हमें रास्ता दिलाया जाए या फिर हमें कर्ज देकर हेलीकॉप्टर दिलाया जाए, जिस पर टाइपिस्ट ने भी महिला के कहे अनुसार राष्ट्रपती के नाम अनुरोध पत्र लिखा गया।

तीन बार के विधायक व चार बार की जिला पंचायत अध्यक्ष की ये कैसी राजनीति?

माही की गूंज, संजय भटेवरा

मुंशी प्रेमचंद्र की एक सुप्रसिद्ध कहानी है ''पंच परमेश्वर'' जिसमें लिखा है कि, पंचों के हृदय में परमेश्वर का वास होता है और एक बार पंच बनने के बाद सार्वजनिक रूप से दिए गए उनके फैसले का निजी जीवन से कोई संबंध नहीं होता है। इस कहानी में दो उदाहरण दिए गए हैं, जिसमें व्यक्तिगत विरोध होने के बावजूद पंच बनकर जुम्मन शेख व चौधरी सही फैसला देते हैं। कुछ ऐसी ही कल्पना बाबासाहेब अंबेडकर ने संविधान निर्माण के दौरान की होगी कि, एक बार जनप्रतिनिधि बनकर व्यक्ति जातिगत, समाज और क्षेत्रवाद से ऊपर उठकर निष्पक्ष रूप से समाज हित में कार्य करेंगे। कुछ हद तक अटल बिहारी बाजपाई और प्रणव मुखर्जी जैसे नेताओं ने उनकी बात को सार्थक भी किया, जिन्होंने कभी भी राजनीतिक विरोध को व्यक्तिगत विरोध नहीं माना और राजनीति को व्यक्तिगत संबंधों के बीच में नहीं आने दिया।

लेकिन पिछले कुछ दिनों से झाबुआ की चार बार रही जिला पंचायत अध्यक्ष अलीराजपुर जिले की जोबट विधानसभा की विधायक कलावती भूरिया और अलीराजपुर विधानसभा के तीन बार विधायक रहे पूर्व विधायक नागर सिंह चौहान के बीच जो कुछ भी चल रहा है उसे किसी भी दृष्टिकोण से उचित नहीं कहा जा सकता है। एक निर्वाचित जनप्रतिनिधि को अपने क्षेत्र में घूमने से कोई नहीं रोक-टोंक सकता है और न ही किसी पर जनप्रतिनिधि को किसी के व्यक्तिगत जीवन पर आक्षेप लगाने की जरूरत है। कबीर दास जी ने तो यहां तक कहा है कि, ''नींदक नियरे राखिए आंगन कुटी छबाए, बिन पानी साबुन के निर्मल करे सुभाय'' अर्थात निंदक को अपने पास ही रखना चाहिए, क्योंकि वह बिना पानी और साबुन के स्वभाव को निर्मल कर देता है, जो कि वर्तमान राजनीति परिक्षेत्र में भी अक्षरशः लागू होता है। राजनीतिक विरोधियों को दुश्मन की दृष्टि से नहीं देखा जाना चाहिए, बल्कि उनसे सीख लेने की आवश्यकता है जो कि हमारी कमियां गिनाता है, ताकि हम उन्हें सुधार सकें और स्वस्थ लोकतंत्र में मजबूत विपक्ष का होना नितांत आवश्यक है।

देख लेंगे... निपटा देंगे... तुम्हारे... की हिम्मत नहीं है... यह अलीराजपुर जिला है... झाबुआ नहीं, जैसे हल्के शब्दों की राजनीति में कोई जगह नहीं होना चाहिए, बल्कि राजनीति में शालीन शब्दों का प्रयोग होना चाहिए। राजनीति का मुख्य उद्देश्य जनसेवा है और एक राजनीतिक जीवन में प्रवेश करने वाला व्यक्ति जनसेवक होता है, सेवक को तो विनम्र ही होना चाहिए। राजनीति में कहा जाता है कि, ''पब्लिक इज ऑलवेज राइट'' यानी जनता हमेशा सही होती है और जनता का निर्णय सबको खुले मन से स्वीकार करना चाहिए, किसी लकीर को छोटा करने के लिए उसके नीचे एक बड़ी लकीर खींचना चाहिए जिससे वह अपने आप छोटी हो जाए न कि, उस लकीर को मिटाने का प्रयास करना चाहिए और यही राजनीति का भी मूल मंत्र होना चाहिए। आपको केवल अपनी बात रखना चाहिए न कि विपक्षी को महिमा मंडित करना चाहिए, क्योंकि जनता सब कुछ देख रही है और वह फैसला समय आने पर अवश्य देती है और जनता का फैसला हमेशा सही होता है।

खिलाड़ियों के लिए मैदान की तैयारी में जुटे जनप्रतिनिधि, जन सहयोग से तैयार हो रहा है मैदान

लगाया उपेक्षा का आरोप, फिर भी विकास कार्य के लिए रहेंगे प्रयासरत - कलावती गेहलोत

माही की गूंज, पेटलावद।

सोशल मीडिया पर खेल मैदान की कमी को लेकर की गई युवाओं की पोस्ट के बाद जनप्रतिनिधियो ने खिलाड़ियों की समस्या पर ध्यान देते हुए नए खेल मैदान में सहयोग कर खिलाडियों को प्रोत्साहन देकर अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन किया। विकास खण्ड पेटलावद की ग्राम पंचायत बावडी में खेल मैदान की कमी से जूझ रहे युवा सोशल मीडिया के माध्यम से अपनी परेशानी को रखा था। ग्राम पंचायत द्वारा खिलाडियों की समस्या की सूद ही ली जा रही थी, ऐसे में पहले महाविद्यालय परिसर में विधायक प्रतिनिधि ने अपने खर्च से 10 घन्टे जेसीबी चलाकर मैदान को समतल करवाया, इसी कड़ी में ग्राम बावड़ी में जन सहयोग से बन रहे खेल मैदान में समाज सेवी नारायण सिंह गेहलोत और जिला पंचायत सदस्य श्रीमती कलावती गेहलोत ने बावडी पहुंच कर खेल मैदान को दुरुस्त करने के लिए 15 हजार रुपए का अंशदान दिया। इस दौरान ग्राम पंचायत में चल रहे रोजगार गांरटी के कार्यो को भी देखा। जिला पंचायत सदस्य कलावती गेहलोत ने ग्राम पंचायत पर आरोप लगाते हुए कहा कि, मेरे द्वारा क्षेत्र के विकास कार्यो के लिए लगातार प्रयास कर कार्य स्वीकृत कराए गए है, लेकिन कार्य शुरू होने और निर्माण के बाद होने वाले लोकार्पण में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने के बाद भी उपेक्षा की जाती है। लेकिन फिर भी हम हमेशा विकास कार्यो को लाने के लिए प्रयासरत रहेगे। समाज सेवी नारायण गेहलोत ने कहा कि, खेल मैदान को लेकर जो सहयोग हो सकेगा वो करवाया जाएगा और मैदान के व्यवस्थित होते ही यहा के खिलाड़ियों के लिए एक छोटा आयोजन खेल प्रतियोगिता के रूप में करवाया जाएगा। सहयोग मिलने से उपस्थित खेल प्रेमी जितेन्द्र, रवि, सुर्यपालसिंह आदि ने हर्ष व्यक्त कर क्षेत्र की जिला पंचायत सदस्य कलावती गेहलोत को धन्यवाद दिया।

निर्वाचन अधिकारी की नाक के नीचे पंचायत चुनाव से पहले मतदाता सूची हो रही हेरा-फेरी

चुनाव के परिणाम प्रभावित करने के लिए फर्जी नाम जोड़ने के किए जा रहे प्र्रयास

माही की गूंज, पेटलावद।

पंचायत चुनाव अपने समय से लगभग डेढ़ साल लेट हो चुके है, पिछली सरकार द्वारा सरपंचों का एक वर्ष का कार्यकाल प्रधान के रूप में बढ़ाया गया था वो भी समाप्त हो चुका है। कयास लगाए जा रहे है कि, चुनाव आने वाले कुछ माह में हो सकते है, जिसके लिए निर्वाचन नामावली का कार्य अंतिम चरण में है, लेकिन पंचायत स्तर के चुनाव में अपना प्रभाव जमाने के लिए स्थानीय स्तर के नेता और पंचायत में प्रभाव रखने वाले ग्राम पंचायत के माध्यम से चुनावो में होने वाले मतदान को प्रभावित करने के लिए मतदाता सूची में फर्जी नाम और अपने फायदे के अनुसार वार्डो में नाम इधर-उधर कर एक नाम को दो वार्डो में जुड़वाने का कार्य कर रहे है, चुकी ज्यादातर ग्रामीण पंचायतो में होने वाली इस प्रकार की हेरा-फेरी की जानकारी प्रशासन और निर्वाचन अधिकारी तक नही पहुंचती, लेकिन कुछ पंचायते ऐसी भी है जहां इस पर नज़र रखी जाती है, विकास खण्ड के अनुविभागीय अधिकारी और निर्वाचन अधिकारी पेटलावद की नाक के नीचे इस प्रकार का गम्भीर मामला सामने आया है। जहा पंचायत की मिलीभगत से मतदाता सूची में हेरा-फेरी करने की तैयारी की जा रही थी, लेकिन जागरूक जनप्रतिनिधियो के कारण मामला अधिकारी के संज्ञान में आ गया है, मामला सामने आने के बाद अब अधिकारी जांच की बात कर रहे है।

ग्राम पंचायत मठमठ के सचिव द्वारा लगभग 30 नामो की सूची, मतदाता सूची में नए नाम जोड़ने और दूसरे वार्डो में नाम जोड़ने के लिए निर्वाचन शाखा को दी गई। ग्राम पंचायत सचिव द्वारा दी गई सूची में अधिकांश नाम अन्य वार्ड से वार्ड क्रमांक 1 में जोडने के लिए दिए जा रहे थे, जिसकी जानकारी ग्राम पंचायत के उपसरपंच बिरज पोरवाल को लगी तो, इसकी लिखित शिकायत अनुविभागीय अधिकारी एवं निर्वाचन अधिकारी को दर्ज करवाई जिसमें उन्होंने बताया कि, ग्राम पंचायत द्वारा गलत तरीके से वार्डो में नए नाम जोड़े जा रहे है, जिन नामो को दूसरे वार्ड में जोड़ा जा रहा है वो पहले से उन्ही वार्डो में जुड़े है, जिनमे वो रहते है या उनके मकान है, लेकिन उनको वहां से हटाकर ऐसे वार्डो में जोड़ा जा रहा है जहा के वो न तो निवासी है, न ही उनकी कोई सपत्ति है, फिर भी पंचायत चुनाव में नतीज़े अपने पक्ष में करने के लिए इस प्रकार के कार्यो को अंजाम दिया जा रहा है। शिकायतकर्ता बिरज पोरवाल ने बताया कि, ग्राम पंचायत के द्वारा पूर्व में भी इस प्रकार का प्रयास किया जा चुका है जिसकी शिकायत के बाद ऐसे कार्य पर रोक लगी थी, लेकिन अब जबकि चुनाव आते दिख रहे है, फिर से निर्वाचन नामावली में हेरा-फेरी के प्रयास किए जा रहे है। इस मामले में जब अनुविभागीय अधिकारी राजस्व शिशिर गेमावत से चर्चा की तो उनका कहना है कि, इस प्रकार का मामला समाने आया है और किसी प्रकार की हेरा-फेरी नही होने दी जाएगी। एसडीएम ने मामले की जांच के लिए 5 सदस्यीय टीम गठित की है जो पंचायत द्वारा दी गई सूची की जांच करेगी।

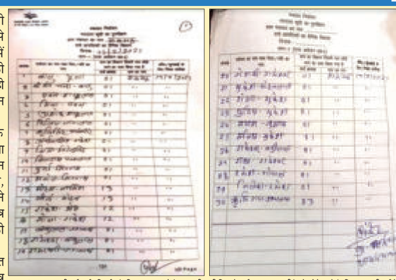

ग्राम पंचायत द्वारा दी गई वार्ड परिवर्तन के लिए मतदाताओं के नाम की सूची जिसमे कई नाम गलत तरीके से जोड़े जाने के शिकायत की गई है।

हेरा-फेरी पाई गई तो होगी कार्रवाई, सामान्य और पिछड़ा वर्ग के वार्ड निशाने पर

जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर रोहितसिंह द्वारा मतदान नामावली में किसी प्रकार की लापरवाही और हेरा-फेरी करने वालो पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश दिए हुए है, ऐसे में अगर जांच में किसी भी प्रकार की लापरवाही पाई गई तो निर्वाचन कार्यो में लापरवाही के लिए जिम्मेदार कर्मचारियों पर कार्रवाई हो सकती है। एक बड़ा तथ्य उभर कर ये भी सामने आया है कि, ग्राम पंचायत स्तर पर समान्य ओर पिछड़ा वर्ग के लिए सुरक्षित वार्डो में इस प्रकार की धांधली की जा रही है, प्रभावी लोग अपने पक्ष में चुनाव परिणाम लाने के लिए दूसरे वार्डो से अपने परिचित और रिश्तेदारो के बिना नाम कटाए या दो वार्डो में नाम दर्ज करवाकर चुनाव प्रक्रिया के समय मतदान को प्रभावित करते है।

पेटलावद-बामनिया मार्ग की साइड नहीं भरने से सता रहा दुर्घटना का डर

माही की गूंज, पेटलावद।

पेटलावद-बामनिया मार्ग का ठेकेदार द्वारा मेंटेनेंस का कार्य किया जा रहा है, रोड का कार्य करने वाली कम्पनी दिलीप बिल्डिकान द्वारा पूरे रोड पर सिलिकोट किया गया और अब कम्पनी अपना कार्य पेटलावद-रायपुरिया के बीच कर रही है। लेकिन पेटलावद से बामनिया के मध्य पूरे रोड पर सिलिकोट करने के बाद रोड की ऊंचाई बढ़ गई जिससे मार्ग के दोनों और की साईड पट्टी नीची हो गई जो कि मोरम द्वारा भरी जानी थी, जिससे मार्ग पर चलने वाले वाहनों का दुर्घटना का भय नही रहे और कोई परेशानी का सामना नही करना पड़े। ठेकेदार द्वारा रोड बनाने के बाद साईड पट्टी भरे बिना ही अपना कार्य दूसरी और शुरू कर दिया और साईट पट्टी नही भरे जाने से दुर्घटना का डर बना हुआ है। कई जगहों पर रोड इतना उचा हो गया है कि, दुपहिया वाहन चढ़ने ओर उतरने में गिर रहे है। रोड पर सिलिकोट करने के साथ ही दोनों और की साईट पट्टी भी भरी जानी थी जो कि नही भरी है, जो दुर्घटना को आमंत्रण दे रहा है। जिम्मेदारों को इस और ध्यान देकर रोड ठेकेदार से साईड भरवाने का कार्य शीघ्र करवाना चाहिए, ताकि मार्ग पर चलने वाले वाहनों को सुविधा मिल सके और इससे होने वाली दुर्घटना से बच सके।

इस तरह दुर्घटना को आमंत्रण दे रही पेटलावद-बामनिया मार्ग की साइड पट्टी

सीएम हेल्पलाइन में शिकायत के बाद अस्पताल के आगे का हटा अतिक्रमण

माही की गूंज, थांदला।

नगर परिषद द्वारा कुछ माह पहले अतिक्रमणकारियों के लिए मुनादी करवाई थी, लेकिन राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते ठंडे बस्ते में अतिक्रमण मुहिम को डाल दी। जबकि थांदला के नए सामुदायिक अस्पताल के आगे चाय नाश्ते वालों ने अपना डेरा दूर-दूर तक फैला कर जमा लिया था, डॉक्टर, अस्पताल स्टाफद्वारा कई बार नगर परिषद व एसडीएम को अतिक्रमण हटवाने के लिए शिकायत की गई थी, लेकिन उसका कोई असर नहीं दिखा। आखिरकार डॉक्टरों को मजबूरन सीएम हेल्पलाइन में शिकायत करना पड़ी, सीएम हेल्पलाइन की जब खबर कलेक्टर को लगी तो कलेक्टर ने एक पत्र लिखकर नगर परिषद को भेजा, उसके बाद नगर परिषद के अधिकारी हरकत में आए और बुधवार को नगर परिषद प्रभारी सीएमओ अशोक चौहान दलबल के साथ अस्पताल पहुंचे और अस्पताल के आगे लगी सभी दुकानों को हटवाया, इस कार्य में गौरांग सिंह राठौर, टीटीया वसामा, सफाई कर्मी का सहयोग रहा।

एसडीएम के नेतृत्व में निकाली स्वच्छता संदेश यात्रा, नगर परिषद की रही उदाशीनता

माही की गूंज, थांदला।

स्वच्छता जागरूकता के लिए नगर मे नवागत एसडीएम ज्योति परते के नेतृत्व मे नगर परिषद द्वारा स्वच्छता संदेश यात्रा नगर के प्रमुख मार्गो से निकाली गई। यात्रा में शासकीय कर्मचारी हाथो मे स्वच्छता की तख्तिया लेकर स्वच्छता जागरूकता के नारे लगाते रहे। एसडीएम सुश्री परते ने सब्जी बाजार मे झाडू लगाकर स्वच्छता का संदेश दिया। अस्पताल चौराहे पर एसडीएम ने सभी को स्वच्छता की शपथ दिलवाई।

रैली मे नगर के जनप्रतिनिधियो की अनुपस्थिति चर्चा का विषय रही। रैली मे नगर परिषद अध्यक्ष बंटी डामर व किसी भी पार्षद का सम्मिलित नही होना स्वच्छता अभियान के प्रति जनप्रतिनिधियो की उदाशीनता को दर्शाता है। गत वर्ष के स्वच्छता सर्वेक्षण मे जिले मे प्रथम स्थान पानें वाली नगर परिषद थांदला इस वर्ष भी अपना मुकाम हासिल करने के लिए प्रयासरत है, किन्तु अभी तक जितने भी प्रयास किए गए वह नाकाम साबित हो रहे है। नगर परिषद द्वारा स्वच्छता अभियान मे आम लोगो की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए कोई ठोस कार्यक्रम नही बनाया गया, इस वजह से स्वच्छता अभियान को वांछित सफलता नही मिल पा रही है। स्वच्छता के लिए परिषद ने कोई नई कार्ययोजना नही बनाई है, नवाचार के रूप मे केवल रात्रि मे नगर के प्रमुख मार्गो पर झाडु लगवाई जा रही है, जिससे उडती धुल लोगो का स्वास्थ्य खराब कर रही है। रेली मे पार्षद लक्ष्मण राठौड, तहसीलदार शक्तिसिंह चौहान, प्रभारी सीएमओ अशोक चौहान, असगर पटवारी, कस्बा पटवारी अशरफखान, बीआरसी रावत, बीईओ एसएन श्रीवास्तव, स्वच्छता निरीक्षक गौरांकसिंह प्राचार्य, पीएन अहिरवार व सफाई कर्मचारी आदि उपस्थित थे।

एनसीसी शिविर का हुआ समापन

माही की गूंज, झाबुआ। शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ की एनसीसी इकाई एनसीसी शिविर का शुभारंभ 11 फरवरी को किया गया। उक्त शिविर 15 फरवरी तक आयोजित रहा। शिविर का समापन कार्यक्रम 15 फरवरी सायंकाल 6 बजे किया गया। शिविर में प्रशिक्षक सुबेदार जलबीर सिंह, हवलदार चन्द्रपाल, हवलदार किशन कुमार थे। सम्पूर्ण केम्प कम्पनी कमांडर केप्टन डॉ. गोपाल भूरिया के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। कैम्प के दौरान कर्नल एचपीएच अहलावत ने भी कैम्प का निरीक्षण किया तथा केडैटस को विभिन्न प्रकार की जानकारियां दी। कैम्प प्रति दिन सुबह 8 बजे से सायंकाल 6 बजे तक संचालित हुआ। जिसमें ड्रील, वेपन ड्रील, फुट ड्रील, वेपन ट्रेनिंग ऑप्टीकल्स शोसल सर्विसेस मेप रिडिंग एफसी एण्ड बीसी, सेक्शन फारमेशन, हेल्थ एण्ड हाईजिंग, पर्सनालिटि डेवलपमेंट, नेशनल इंट्रीग्रेशन, आपदा प्रबंध, सामन्य ज्ञान आदि विषयों पर व्याख्यान दिए गए। कार्यक्रम का संचालन केप्टन डॉ. भूरिया ने किया। आभार अंडर ऑफिसर पौलुष बारिया ने माना।

पिकअप दुर्घटना में एक की मौत

माही की गूंज, काकनवानी। नरेश पंचाल

मंगलवार रात 10 बजे काकनवानी से पलासडोर की ओर जा रही एक वाहन पिकअप क्रमांक एमपी 45 जी 1773 एक मोड़ पर अनियंत्रित होकर पलटी खा गई, पिकअप में चालक सहित दो लोग सवार थे, जिसमें चालक हिम्मत पिता चैनसिंह डामोर की पिकअप में दबने से मौके पर ही मौत हो गई। दुर्घटना में वाहन को ज्यादा नुकसान नहीं हुआ, किंतु पूरा वाहन लहूलुहान हो गया,। वाहन मृतक के परिवार कांतिलाल डामोर का है, जिसमें उनका लड़का भी सवार था जिसे मामूली चोट आई।

थांदला-बदनावर मार्ग पर नही लगेगा टोल,मेंटेनेंस के अभाव में दम तोड़ देगा रोड

टोल कंपनी को रिपेयर कर देना होगा रोड, झाबुआ-रतलाम रोड पर नए टोल लगाने की तैयारी में सरकार

माही की गूंज, पेटलावद।

थांदला-बदनावर मार्ग स्टेट हाइवे 18 पर लगा टोल 7 साल बाद 20 फरवरी को समाप्त हो रहा है, अब इस मार्ग से गुजरने वाले लोडिंग और भारी वाहनों को टोल नही चुकाना पड़ेगा। बतादे कि, उक्त मार्ग पर सरकार ने सात वर्ष पूर्व रोड के मेंटेनेंस और टोल वसूलने का जिम्मा ईगल दीप इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को दिया था, जिसकी अनुबंध तिथि 20 फरवरी को समाप्त हो रही है। अनुबंध की शर्तो के अनुसार टोल कंपनी को टोल समाप्त करने से पूर्व मार्ग को रिपेयर करना होगा जिसका कार्य कम्पनी ने शुरू कर दिया है। टोल समाप्त होने के बाद मार्ग का जिम्मा एमपीआरडीसी के पास पुनः पहुंच जाएगा। जबकि टोल समाप्त हो रहा है, उक्त मार्ग पर वाहनों के रश में बढ़ोतरी होगी इससे पहले कई बड़े वाहन टोल बचाने के लिए आधे मार्ग से दूसरा मार्ग पकड़ लेते थे जो कि अब वाहन सीधे इसी मार्ग से गुजरेंगे। वाहनों के बढ़ते दबाव के बीच रोड के जल्दी खराब होने के पूरे आसार है। हालांकि वर्तमान में भी रोड दुर्घटनाए में कोई कमी नही हुई थी, लेकिन मार्ग का मेंटेनेंस समय पर नही किया गया तो दुर्घटनाओ की संख्या में वर्द्धि होना तय है।

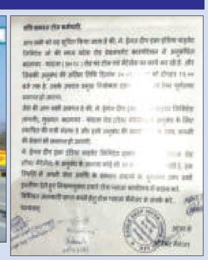

मार्ग पर वाहनों का भारी दबाव, दुर्घटनाओ में होगी बढ़ोतरी

स्टेट हाइवे 18 जो कि गुजरात और राजस्थान की सीमाओं को जोड़ता है, इसलिए मार्ग पर बड़े और भारी वाहनों की आवाजाही लगी रहती है, जिस कारण मार्ग बार-बार टूट रहा था, रोड निर्माण करने वाली कम्पनी के अनुबंध समाप्त होने के बाद टोल के माध्यम से रोड का मेंटेनेंस इगल दीप कम्पनी को दिया गया था। लेकिन अब

विवादों में घीरी रही इगलदीप कंपनी

सात वर्षों के लम्बे अंतराल के बीच टोल कंपनी से बड़े विवाद जुड़े रहे, कही कर्मचारियों के बीच आपस मे मारपीट, तो कभी वेतन भत्ते के लिए टोल कर्मियों की हड़ताल, तो कभी कर्मचारियों की संख्या में कमी और दूसरे कर्मचारियों की भर्ती सहित टोल मैनेजमेंट और वाहनों को टोल मार्ग से गुजरने के लिए बनाया जाने वाला विवाद जैसे कई विवाद टोल कंपनी से जुड़े रहे, केई मामले पुलिस और अधिकारियों तक भी पहुचे।

झाबुआ-रतलाम रोड पर नए टोल लगाने की तैयारी में एमपीआरडीसी

थांदला-बदनावर पर टोल खत्म हुआ की एमपीआरडीसी ने रतलाम-झाबुआ मार्ग पर टोल लगाने की तैयारी कर दी है और इसके लिए विज्ञप्ति भी जारी हो चुकी है, मिली जानकारी अनुसार इस मार्ग पर लगने वाले टोल पर सभी वाहनों से टोल वसूली की जाएगी, साथ ही रोड के मेंटेनेंस की जवाबदारी एमपीआरडीसी ही करेगी। रतलाम-झाबुआ मार्ग की स्थिति से कोई भी अभिन्न नही है, रोड की हालत बेहत ही खस्ता है और ऐसे में रोड पर टोल वसूली होगी तो रोड से गुजरने वाले वाहनों की क्या सुविधा मिल पाएगी, इसका कुछ नही कहा जा सकता।

नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष और उपाध्यक्ष ने संभाला पदभार

पदभार ग्रहण करने के बाद समर्थकों के साथ नवनिर्वाचित अध्यक्ष

माही की गूंज, कुशलगढ (राज.)। नगर पालिका चुनाव में भाजपा को मिली ऐतिहासिक जीत के बाद अध्यक्ष बने बबलू मईडा और उपाध्यक्ष नितेश बैरागी ने मंगलवार को पदभार ग्रहण कर लिया। पंडित लोकेंद्र पंड्या मंत्रोच्चारण के साथ भगवान की पूजा-अर्चना करवाई और शुभ मुहूर्त में दोनों को कुर्सी पर बैठाया। नवनिर्वाचित पालिका अध्यक्ष बबलू मईड़ा नें कहा कि, आम जनता की पालिका संबंधित समस्याओं को शीघ्र पूरा करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी।

वहीं उपाध्यक्ष नितेश बैरागी ने नगर में स्ट्रीट लाइट, सड़के, नालियों सहित अन्य विकास कार्य योजना बनाकर बिना भेदभाव के करवाने की बात कही। ललित राठौड़ ने स्वागत किया, कार्यक्रम में नवनिर्वाचित पार्षदों का भी स्वागत किया और अध्यक्ष को पदभार सौंपा। इस मौके पर पुर्व ससंदीय सचिव भीमा भाई डामोर, प्रधान कांनहीग रावत, रेखा जोशी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष लीला पडियार, मधुसूदन व्यास, जिनेन्द्र सेठिया, कमलेश कावडिया, रामकिशन मकवाणा सहित कार्यकर्ता आदि मौजुद रहे।

मेघनगर तहसील को मिला युवा तहसीलदार

माही की गूंज, मेघनगर।

हर्षल बहरानी मेघनगर के नए तहसीलदार के रूप में काफी सक्रिय रूप से काम करते हुए दिखाई दिए। नगर में एसडीएम, सीएमओ और नए तहसीलदार तीनों युवा लोगों की टीम का समन्वय देखने वाला होगा। एसडीएम गर्ग और सीएमओ डाबर के अनुसार बहरानी के साथ काम करने में नगर के विकास और राजस्व के साथ तहसील से जुड़े मामलो को प्रभावित करने वाली गति मिलेगी। बहरानी ने कहा कि, राजस्व के मामलों को समय सीमा में जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में और वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देशन में पूरा करना उनकी पहली प्राथमिकता होगी। मेघनगर के लोगों से भी मेरी अपेक्षा है की पूरे समन्वय के साथ निष्पक्ष कार्य करेंगे और मैं भी दिन-रात परिश्रम कर बेहतर कार्य करने का प्रयास करूंगा।

पीएचई और नपा के बीच झूलती नवीन पेयजल योजना 'दो पाटन के बीच में साबुत बचा न कोई'

माही की गूंज, झाबुआ। मुज़म्मील मंसूरी

''चलती चक्की देख कर, दिया कबीरा रोए। दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोए।।'' यू तो कबीर के इस दोहे का अर्थ कुछ ऐसा है कि संसार की चक्की के दो पत्थर-पाटों के बीच हम सब अनाज के दानों की तरह पिस रहें है, और अंत में कोई भी साबुत बचने वाला नहीं है, आटे की तरह महीन बुरादा होना ही तय है। एक तरफ तो बुरा लगता है कि चक्की में पिस रहे हैं, लेकिन जरा सोचिए कि इस पिसाई से हमारा महीन या सूक्ष्म बनना कोई बुरी बात है क्या? जीवन हमें रगड़ता है, सिखाता है, तो उद्देश्य होता है कि हम उपयोगी बनें। इसलिए आप अपने लिए जो भी पिसाई चुनें, यह अवश्य सोचें कि आप गेहूँ की तरह अपनी सार्थकता बढ़ा रहे हैं, या घुन की तरह जीवन का अंत कर रहे हैं।

हालांकि हमने इस दोहे का इस्तेमाल अपनी खबर को लेकर किया है। क्योंकि झाबुआ नगर की नवीन पेयजल योजना को लेकर स्थितियां ही कुछ ऐसी बन रही है कि यह दोहा बिलकुल सटीक बैठता नजर आ रहा है। इस दोहे में जिन दो पाटों का जिक्र किया गया है। उसमें पहला पाट पीएचई विभाग है, और दूसरा पाट नगरपालिका है। जो घुन या गेहूं है वह आम जनता है। आने वाला समय गर्मी है और पिसने की बारी जनता की है।अब देखना यह है कि जनता गेहूं की तरह पिस कर अपनी सार्थकता बढ़ाएगी या घुन की तरह पिस कर अपनी जान गवांएगी।

वर्ष 2013 में शासन द्वारा मंजूर हुई नवीन पेयजल योजना अब तक धरातल पर पुर्णतः नहीं उतर पाई है। 47 करोड़ से अधिक की इस योजना से झाबुआवासियों को बड़ी उम्मीदें थी, लेकिन 7 साल गुजर जाने के बाद भी प्रशासनिक लचरता व जिम्मेदारों के ढीले रवैये के कारण झाबुआ को इसका लाभ अब तक पूर्ण रूप से नहीं मिल पाया है। 7 वर्ष गुजरने के बाद भी शहर की पेयजल व्यवस्था दो पटों में बंटी हुई है। आधे शहर में पीएचई विभाग पेयजल की आपुर्ति कर रहा है तो आधे में नगरपालिका। विडम्बना यह है कि इनते वर्ष गुजर जाने के बाद भी शहर के कई हिस्सों में नवीन पेयजल योजना की पाइप लाइन नहीं डल सकी है। कहने को तो कई वर्षों से शहर में पाइप लाइन डालने का कार्य चल रहा है, लेकिन किस गति से यह कार्य किया जा रहा है इसका अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि अब तक शहर का उदयपुरिया, माधोपुरा, हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी, सुखदेव विहार, मारूति नगर, एलआईसी कॉलोनी, रामदास कॉलोनी सहित एक बड़ा हिस्सा अब भी छूटा हुआ है। ज्ञातव्य हो कि पहले नगर के इन हिस्सों को सर्वे में नहीं लिया गया था, लेकिन नगरपालिका द्वारा वित्तीय वर्ष 2017-18 के लिए पारित बजट में सबसे अहम प्रस्ताव नवीन पेयजल योजना में बिछाई जा रही पाइप लाइन का था। जनहित से जुड़ा मुद्दा था इसलिए विशेष सम्मेलन के एजेंडे में इसे शामिल किया गया था। पार्षदों ने इस प्रस्ताव पर सहमति भी दी थी। बावजूद इसके लगभग चार साल बीतने को है मगर इन क्षेत्रों में पाइप लाइन डालने का कार्य अब तक शुरू भी नहीं हो पाया है। अब जाकर इन क्षेत्रों में पाइप लाइन डालने की सुगबुगाहट नगरपालिका में सुनाई दे रही है। अब भी इस बात की कोई ग्यारंटी नहीं है कि यह कार्य कितने समय में पूरा हो जाएगा। एक बड़ा मुद्दा और भी यह है कि इस योजना में जो डेम बना है, उसके डूब क्षेत्र में आने वाली किसानों की जमीन का मुआवजा भी अब तक नहीं दिया गया है। जिसके कारण नगरपालिका डेम को पूरा भरने में असमर्थ है। डेम से डूब क्षेत्र में आ रही जमीनों का मुआवजा लगभग 3 करोड़ रुपये का है। जो अब तक किसानों को वितरित नहीं किया गया।

हम देना चाहते है-पीएचई, हम अभी लेने को तैयार नहीं-नगरपालिका

इधर पीएचई विभाग पिछले तीन वर्षों से चिल्ला-चिल्ला कर नगर की पेयजल व्यवस्था नगरपालिका को सुपुर्द करने की बात कह रहा है। पीएचई विभाग के आला अधिकारियों का कहना है कि जनप्रदाय का बजट उन्हे नहीं मिल रहा है। इसके विपरीत नगरपालिका इस जिम्मेदारी को अभी लेने को तैयार नहीं है। नगरपालिका अधिकारियों का तर्क यह है कि डेम के कारण डूब में आ रही जमीनों के मुआवजे अब तक दिए नहीं गए है। जिससे डेम को पूरी तरह से नहीं भरा जा सकता। डेम में कम पानी होने व शहर के कई हिस्सों में अभी पाइप लाइन नहीं डलने के कारण नगरपालिका इस व्यवस्था को अपने हाथ में लेने में असमर्थ है। एक वजह यह भी है कि नगापालिका के पास जलप्रदाय संबंधी तकनीकि शिक्षा प्राप्त कर्मचारियों की भी कही है, जो इस व्यवस्था को अपने हाथ में न लेने का एक बड़ा कारण है। फिलहाल अधे शहर में पीएचई विभाग व आधे में नगरपालिका पेयजल वितरण कर रही है। नगरपालिका प्रतिदिन आधा घंटा तो पीएचई विभाग एक दिन छोड़कर एक घंटा जन वितरण कर रही है। शहर के कई हिस्सों में पाइप लाइने तो डल गई लेकिन अब तक डिस्ट्रीब्यूशन लाइन को मेन पाइप लाइन से नहीं जोड़ा गया है। पीएचई विभाग अब भी पुरानी पाइप लाइन से ही शहर में जनप्रदाय कर रहा है। पीएचई विभाग व नगरपालिका के बीच चल रहे लेन-देन की नौटंकी में आखिर का नुकसान आमजनता का ही होना है। अगर पीएचई विभाग जलप्रदाय की जवाबदारी को आगे निभाने से इंकार करता है तो शहर के कई क्षेत्रों में जल संकट खड़ा होना तय है। वैसे भी आने वाला समय गर्मियों का है और ऐसे समय में जब हर तरफ जल संकट देखने को मिलता है तो शहरवासियों के लिए भी त्राही-त्राही मचना तय है। इन सारी स्थितियों को देखते हुए तो यही कहा जा सकता है कि ''चलती चक्की देख कर, दिया कबीरा रोए। दो पाटन के बीच में, साबुत बचा न कोए।।''

बाबा श्याम भजन संध्या का हुआ आयोजन

माही की गूंज, रानापुर। रानापुर नगर में प्रजापति श्याम परिवार के द्वारा सोमवार को खाटू श्याम की भजन संध्या का आयोजन सुभाष मार्ग(कुमार मोहल्ला) में रखा गया था, जिसमें बड़ी संख्या में श्याम प्रेमी सम्मिलित हुए। भजन संध्या में भजन गायक शिल्पी कौशिक निवासी मुरादाबाद दिल्ली व बंटी सोनी निवासीर मक्सी मध्यप्रदेश ने अपने मधुकर भजनों की प्रस्तुति दी। देर रात तक भजनों का सिलसिला चलता रहा, कार्यक्रम में अलौकिक श्रंगार, भव्य दरबार, 56 भोग, इत्र वर्षा, पुष्प वर्षा तथा अखंड ज्योत भी प्रज्जलित की गई आयोजन में श्याम समिति की ओर से सभी का आभार माना गया।

गुप्त नवरात्रि महाउत्सव समारोह का हुआ शुभारंभ

माही की गूंज, थांदला। थांदला नगर में स्थित प्रसिद्ध कलेश्वर महादेव मंदिर में गुप्त नवरात्रि के अवसर पर प्रतिपदा के दिन पारंपरिक रूप से विधिवत पूजा अर्चना के पश्चात नव दिवसीय नवरात्रि महोत्सव अनुष्ठान का शुभारंभ हुआ। अनुष्ठान के आरंभ में कलेश्वर महादेव मंदिर धाम से धर्मयात्रा निकाली गई जो लक्ष्मीनारायण धाम होते हुए नगर के नागरेचा देवी पीठ एवं चामुंडा माता मंदिर होती हुई स्वधाम पहुची, जहा सत्संग आयोजित हुआ, जिसमें हिन्दू महासभा के इंदौर संभाग के संभागीय संगठन मंत्री निरंजन भारद्वाज सहित नगर के नागरिक, सामाजिक संगठन पदाधिकारियो ने भाग लिया, वही नगर के कल्याण भक्त मंडल उपस्थित थे।

बाल रंग शिविर 19 फरवरी से 20 मार्च तक

विभिन्न विद्याओं का दिया जाएगा प्रशिक्षण

माही की गूंज, झाबुआ। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय नई दिल्ली द्वारा साज रंग झाबुआ के तत्वावधान में शहर के 6 से 14 वर्ष आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं के लिए आगामी 19 फरवरी से 20 मार्च तक 1 माह हेतु 'बाल रंग शिविर' का आयोजन किया जा रहा है। संस्था के रंगकर्मी भरत व्यास तथा शैलेन्द्र मंडोड ने बताया कि शिविर में नाटक के माध्यम से अभिनय, संगीत, नृत्य, आर्ट एंड क्राफ्ट तथा व्यक्तित्व विकास का वृहद प्रशिक्षण दिया जाएगा। शिविर का निर्देशन राष्ट्रीय नाटय विद्यालय से स्नातक, देश के प्रसिद्ध रंगकर्मी, फिल्म कलाकार अविनाश देशपांडे द्वारा किया जाएगा। शिविर को दो भागों में विभक्त किया गया है। जिससे बच्चों को नियमित शैक्षणिक अध्यापन कार्य में भी परेशानी नहीं आएगी। शिविर दो सत्रों दोपहर 11 से 2 बजे तथा शाम 4 से 7 बजे तक प्रतिदिन आयोजित होगा। प्रशिक्षणार्थियों की संख्या समिति रहेगी तथा चयन साक्षात्कार के माध्यम से होगा। इच्छुक बालक-बालिकाएं जो भाग लेना चाहते है वह 18 फरवरी तक स्थानीय थांदला गेट स्थित साज रंग कार्यालय पर संपर्क कर सकते है।

कलेक्टर ने सुनी जनसुनवाई, 47 आवेदन आए

माही की गूंज, झाबुआ।

जिला स्तरीय जनसुनवाई मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित हुई। कलेक्टर रोहित सिंह की अध्यक्षता में आयोजित इस जनसुनवाई में 47 आवेदन पत्र प्राप्त हुए। इस जनसुनवाई में ग्राम बडलिया तथा मोहनपुरा के ग्रामीणों ने पेयजल समस्या के निराकरण के लिए नवीन हैंडपम्प खनन करने की स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। कलेक्टर सिंह ने इन गांवों में नियमानुसार हैंडपम्प खनन करने की कार्यवाही करने के निर्देश कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को दिए। इस जनसुनवाई में ग्राम पंचायतों में मोबाईलाजेशन पदों के लिए चयनित उम्मीदवारों पर आपत्ति जताई गई।

कलेक्टर सिंह ने मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत को आवेदन पत्र प्रस्तुत करने के निर्देश दिए। ग्राम मोखड़ा तथा तलावली के ग्रामीणों ने रोजगार सहायक द्वारा शासकीय राशि के गबन करने की शिकायत की। कलेक्टर सिंह ने इन आवेदनों की जांच करने और जांच में शिकायत सही पाई जाने पर वैधानिक कार्यवाही करने के निर्देश दिए। थांदला तहसील के ग्रामीण ने जमीन का सीमांकन कराने का अनुरोध किया। कलेक्टर ने ग्रामीण की समस्याएं सुनी और अपर कलेक्टर को निर्देश दिए हैं कि इस ग्रामीण की जमीन के सीमाकंन के लिए शीघ्र राजस्व निरीक्षक तथा पटवारी को भेजना सुनिश्चित करें। इस जनसुनवाई में ग्रामीणों ने पेंशन राशि दिलाने अतिक्रमण हटाने, सेवा में नियमितता प्रदान करने इत्यादि से संबंधित समस्याएं रखी। कलेक्टर ने इस जनसुनवाई में ग्रामीणों की समस्याएं सहानुभूतिपूर्वक सुनी और उनका निराकरण करने का आस्वासन दिया। सिंह ने विभिन्न विभागों के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे जनसुनवाई में प्राप्त समस्याओं का नियमानुसार शीघ्र निराकरण करें। समस्याओं के निराकरण में अनावश्यक विलंब न किया जाए। इस जनसुनवाई में अपर कलेक्टर द्वय जेएस बघेल, एमएल मालवीय, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व झाबुआ सोहन कनास, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दिनेश वर्मा सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे।

एक दिवसीय कार्यशाला आजीविका आयोजित की गई

माही की गूंज, झाबुआ।

महात्मा गांधी ग्राम सेवा केंद्र संचालक की एक दिवसीय कार्यशाला आजीविका कला दीर्घा झाबुआ पर आयोजित हुई। इसमें जिले के 120 महात्मा गांधी केंद्र संचालक मौजूद थे। इस एक दिवसीय कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। मुख्य अतिथि के स्वागत के लिए महात्मा गांधी ग्राम सेवा केंद्र जिला प्रभारी राहुल वाघेला द्वारा बुके भेंट कर किया गया। कार्यशाला में जानकारी इंदौर संभाग के मास्टर ट्रेनर फैजल अहमद ने दी। इस दौरान सभी केंद्र संचालक को सर्वप्रथम महात्मा गांधी ग्राम सेवा केंद्र परियोजना की विस्तृत जानकारी सभी केंद्र संचालकों को दी गई। इसके बाद ग्राम पंचायत में ग्रामीणों को फॉर्म 1 व 11 सेवाओं दी जाने वाली ई-ग्राम सॉफ्ट, ई- ग्राम स्वराज के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत जैन ने जिले में केंद्र संचालकों द्वारा मिशन चिरंजीवी आयुष्मान भारत निरामय योजना के कार्ड के कार्य की प्रशंसा की। जिले के पेटलावद ब्लॉक के ब्लॉक समन्वयक पवन कुमार वर्मा द्वारा मिशन चिरंजीवी निरामय के तहत सभी वीएलई से निरंतर कार्य करवा कर 50 हजार से अधिक आयुष्मान कार्ड बनवाए गए। इसलिए जैन ने पवन कुमार वर्मा को ट्राफी प्रदान की। जैन ने केंद्र संचालकों को ग्राम पंचायत पर ही बैठकर ग्रामीणों को सभी सेवाएं देने के लिए कहा ताकि ग्रामीणों को सेवाएं प्राप्त करने में किसी भी प्रकार की असुविधा ना हो। आने वाले भगोरिया पर्व के दौरान सभी ग्रामीणों के शतप्रतिशत आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए मिशन मोड में कार्य करने के निर्देश सभी वीएलई को निर्देशित किया और कलेक्टर रोहित सिंह द्वारा जिले लेवल पर अच्छे कार्य करने वाले वीएलई को प्रशंसा पत्र दिलवाया जा सके। कार्यशाला में जिले के ब्लॉक प्रभारी पवन कुमार वर्मा, प्रकाश पंदा, राजेश डाबी, रमेश भाबर उपस्थित थे।

नशा मुक्ति अभियान दिवस मनाया गया

माही की गूंज, झाबुआ। स्थानीय शहीद चन्द्रशेखर आजाद, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय झाबुआ की एनसीसी इकाई द्वारा 21, मप्र प्रदेश बटालियन एनसीसी रतलाम के कमांडिंग ऑफिसर कर्नल एचपीएच अहलावत तथा संस्था प्रमुख व प्राचार्य डॉ. एचएल अनिजवाल के निर्देशानुसार महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी केप्टन डॉ. गोपाल भूरिया के मार्गदर्शन में एनसीसी केडेट्स द्वारा बुधवार को नशा मुक्ति दिवस मनाया गया। कार्यक्रम में केप्टन डॉ. गोपाल भूरिया ने नशा मुक्ति विषय पर व्याख्यान दिया गया। नशा मुक्ति जागरुकता रेली का भी आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम एनसीसी अधिकारी केप्टन डॉ. गोपाल भूरिया के मार्गदर्शन में सीनीयर अंडर ऑफिसर भरतचंद शर्मा, अंडर ऑफिसर पौलुस बारिया, अंडर ऑफिसर जयदीप जाटव, शीतल खडिया, उमा जाटव आदि का विशेष सहयोग रहा।

कार्यशाला का हुआ आयोजन

वहीं शहीद चन्द्रशेखर आजाद, शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना की संयुक्त इकाईयों द्वारा मंगलवार को सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला का आयोजन सड़क परिवहन विभाग तथा नेवैद्य ऐजुकेशन एण्ड वेलफेयर सोसायटी के तत्वाधान में किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि जिला परिवहन अधिकारी राजेश गुप्ता ने कार्यशाला में सड़क सुरक्षा के नियमों से अवगत कराया तथा हेलमेट व सीट बेल्ट की अनिवार्यता को बताया। कार्यक्रम की अध्यक्षता संस्था प्रमुख व प्राचार्य डॉ. एचएल अनिजवाल ने की। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक को लायसेंस बनाने के लिए प्रेरित किया। भोपाल से आए नेवैद्य ऐजुकेशन एण्ड वेलफेयर सोसायटी के सुमित मिश्रा ने सड़क सुरक्षा जागरूकता पर क्वीज का आयोजन किया। क्वीज में स्वयंसेवक दर्शन कहार, जयश्री जैन, तरूण बघेल, आयुषी परमार, हिमाद्री कुशवाह तथा रोहित रावत को हेलमेट देकर पुरस्कृत किया गया। इस अवसर महाविद्यालय के वरिष्ठ प्राध्यापक डॉ. जेसी सिन्हा, डॉ. संगीता मसानी भाबोर, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. राजू बघेल तथा प्रो. मनीषा सिसोदिया उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन स्वयंसेवक कुसुम बबेरिया ने किया तथा सुमित मिश्रा ने आभार माना।

पुरषों के सम्मान में पुलिस मैदान में...

महिलाओ की रिपोर्ट पर पुलिस हर मामले में ऐसे ही करे जांच, तो कई बेगुनाह बेज्जत व जेल जाने से बच जाएगें

राजनीतिक दलो को भी अपने पदाधिकारीयो को करना चाहिए ऐसे ही सहयोग? तो ही अपनी पार्टी का बनेगा आमजनता में विश्वास!

माही की गूंज, झाबुआ।

इन दिनों जिले की राजनीति में एक मामले को लेकर बड़ी हलचल मची हुई है। मामला भाजपा के जिलाध्यक्ष लक्ष्मण सिंह नायक पर पेटलावद थाना क्षेत्र की एक महिला द्वारा मदद के नाम पर शोषण करने के प्रयास करने और मोबाईल पर महिला को गलत नियत से घुमाने ले जाने का प्रस्ताव रखने और महिला व उसके पति को जान से मारने की धमकी देने का है। यू तो मामला काफी समय से चर्चा में था और दो माह पूर्व ही माही की गूंज ने जिसका खुलासा भी किया था, लेकिन महिला के सामने नही आने के कारण इसे हवाई फायर समझा जा रहा था।

वही 6 फरवरी को एसपी ऑफिस में अपने पति के साथ पहुंची महिला ने सारे कयासों को विराम देते हुए न केवल चर्चा में रही बल्कि एक-एक कि बात की पुष्टि की और भी बड़े खुलासे किए कि, किस तरह इस मामले को लेकर उसको ओर उसके परिवार को भाजपा के जिलाध्यक्ष लक्ष्मणसिंह नायक द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है। वहीं अपने कलयुगी पिता की हरकत को दबाने के लिए जिलाध्यक्ष का पुत्र विवेक नायक तक महिला के चरणों मे शरणम गच्छामि हुआ। चूँकि बात महिलाओ पर होने वाले अपराध से जुड़ी थी हर किसी को यकीन था की जल्द ही पुलिस मामला दर्ज कर लेगी ओर नारी सम्मान की बात करने वाली भाजपा अपने जिलाध्यक्ष को भी घर भेजकर पीड़िता को न्याय दिलाने का आश्वासन देगी। 6 फरवरी को महिला द्वारा दिए आवेदन के बाद आज एक सप्ताह बीत जाने के बात भी कोई अपराध जिलाध्यक्ष के विरुद्ध दर्ज नही हुआ, न ही भाजपा की और से जिलाध्यक्ष पर इस अनुशासनहीनता के लिए हटाया गया। अब मामला राजनीतिक हो चला है और कांग्रेस को घर बैठे-बैठे ही भाजपा को घेरने का मौका एक बार ओर भाजपा की चरित्रहीनता को लेकर मिल गया है। वही भाजपा ने भी पीड़िता व उसके पति को कांग्रेसी बताकर मामले को राजनीतिक रंग देकर अपनी खराब हो रही साख को बचाने की जुगत में लग गई है।

महिलाओ की शिकायत पर यही हो प्रोसेस, अपना पक्ष रखने का अवसर हर किसी को हो

ऐसा पहली बार नही है कि, किसी महिला ने इस प्रकार के आरोप किसी पर लगाए है, वही अब तक होता ये आया है कि, पुलिस के पास इस प्रकार की शिकायतो के मामलो में महिलाओं के लिए बने कानून का हवाला देकर बिना अनाआवेदक का पक्ष जाने महिला के दिए शिकायत व बयान के आधार पर मामला दर्ज कर लिया जाता रहा है, दूसरा पक्ष भले पुलिस से मिन्नतें करे या फिर अपने पक्ष में प्रमाण प्रस्तुत करने की बात करे। पुलिस केवल कानुन का हवाला देकर इतना भर कहकर इतिश्री कर लेती है कि, महिला को बदनियत से घुरकर देखना भी उपराध है और आपके पास जो भी सबुत है वह न्यायालय में पेश करे। कई बार ऐसे मामलों में निर्दोष होने के बाद भी महिलाओं के लिए बने कानून के कारण, षडयंत्र पूर्वक रची गई साजिश के तहत मानसिक प्रताड़ना झेलकर जेल तक जाना पड़ता है और ऐसे कई मामले भी झाबुआ जिले में देखे भी जा सकते है। लेकिन पहली बार ऐसा हुआ है कि, पुरी व पुख्ता तथ्य के साथ महिला के साथ बदनियत से बात करने की शिकायत व बयान मय आडियो क्लीप के साथ रिपोर्ट दर्ज करने के बाद भी महिलाओं के लिए बने कानून को ताक में रख पूरे मामले को जांच में लिया गया है। हम समझ सकते है कि, मामला हाई प्रोफाइल होकर सत्तारूढ़ पार्टी के जिलाध्यक्ष से जुड़ा है इसलिए पुलिस पर भारी दबाव होगा, इसिलिए मामले को जांच के नाम पर होल्ड पर डाला गया है। जबकि पुलिस को महिलाओं से जुड़े हर मामले में ऐसे ही विपक्षी को अपना पक्ष रखने का मौका और समय देना चाहिए ताकि जिस पर आरोप लगा है वो मामले को या तो अपने स्तर पर समझौता कर निपटा ले या फिर अपने आप को बेगुनाह साबित कर महिला द्वारा जबरन फसाने व षडयंत्र के उद्देश्य से रिपोर्ट करने को प्रमाणित कर सके, ताकि कई बेगुनाह जेल जाने से या मानसिक प्रताड़ित होने से बच जाए। खेर जो भी हो राजनीतिक दलों ओर पुलिस की कार्यप्रणाली से एक बार फिर से सवाल खड़े हुए है, कानून व्यवस्था को अपने हिसाब से संचालित करते है, न्याय सबके लिए है आगे भी यही व्यवस्था बनी रहे तो कई निर्दोषों को न्याय मिल जाएगा।

आखिर क्यों हुई समझौते की पहल ?

दबी जुबान से ही सही भाजपा कह रही है कि, ये कांग्रेस का षडयंत्र है। वही जिलाध्यक्ष लक्ष्मण नायक ने कैमरे पर स्वीकार किया है कि, वो महिला से बात करते थे और ये कांग्रेस का षडयंत्र है, लेकिन महिला ने अपने आवेदन में ये लिखने से गुरेज नही किया कि, लक्ष्मण नायक के बेटे विवेक नायक की और से पिता द्वारा की गई हरकत के लिए माफी मांगने ओर समझाने पर मामला समाप्त कर दिया था, लेकिन फिर भी परिवार को प्रताड़ित किया जा रहा था जिससे परेशान होकर रिपोर्ट लिखवा रही है। जब महिला के प्रति बदनियत नही थी तो, मामला पुलिस के पास या राजनीतिक गलियारों में नही पहुँचे इसके लिए भरसक प्रयास आखिर क्यों किए गए?

महिला के अनुसार उन्होंने जिलाध्यक्ष को पहले ही बता दिया था कि, उनका पति कांग्रेसी है और भाजपा शासन होने के कारण उसकी सुनवाई नही हो रही है। ये जानते हुए भी की महिला का पति कांग्रेस से जुड़ा है तो क्यो जिलाध्यक्ष ने महिला से बात की ओर बात की भी तो अलग हो रहै परिवार को जोड़ने या फिर परेशान कर रहे पति पर कार्रवाई करवाने की बज़ाए महिला में अवसर क्यो खोजे गए? ये सब सवाल अपनी और से शिकायत को प्रमाणित व प्रभावी भी करने के लिए पर्याप्त है। फिर भी हमे इंतजार करना होगा जब तक पुलिस महिला सहित सभी पक्षो का बयान और जरूरी प्रमाण नही ले लेती कि, जो महिला कह रही है ठीक वैसा हुआ तो उम्मीद है यदि प्रमाण मिले तो अपराध दर्ज होगा और नही मिले तो आगे भविष्य में होने वाले महिला अपराधों में दूसरे पक्ष को अपनी बात रखने ओर शिकायतकर्ता के विरूद्ध प्रमाण लाकर प्रथम पक्ष की ओर से की गई गलत शिकायत को सिद्ध करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेंगे।

संपादकीय

लोकतंत्र में विधायिका और कार्यपालिका की भाषा में आ रही विकृतियां

भाषा व्यक्ति की मर्यादा और शालीनता का प्रथम आवरण है। व्यक्ति क्या और किन शब्दों में अभिव्यक्त करता है, उससे व्यक्ति के चरित्र का मूल्यांकन किया जा सकता है। हम भाषा को संसदीय, सभ्य और शालीन करार देते रहे हैं, क्योंकि संसद की भाषा को श्रेष्ठ और मर्यादित माना जाता था। अब 1990 के दशक के बाद यह धारणा लगातार खंडित हो रही है, क्योंकि हमारी विधायिका और कार्यपालिका की भाषा विकृत होती जा रही है। कमोबेश वह असंसदीय, अमर्यादित और अश्लील हो गई है। विकृत भाषा सांसदों और मंत्रियों की जुबान से भी फूटती रही है। यह दीगर है कि विधायिका की कार्यवाही के रिकॉर्ड में इन शब्दों को दर्ज नहीं होने दिया जाता। लोकतंत्र सिर्फ संसद और विधानसभा तक ही सीमित नहीं है। यकीनन वे सदन गणतंत्र के गरिमामयी मंदिर हैं और लोकतंत्र को मूर्त रूप देते हैं। सिर्फ भारत ही 139 करोड़ से ज्यादा की आबादी का विराट, विविध और व्यापक लोकतंत्र है। भारतीय लोकतंत्र में 90 करोड़ से अधिक तो मतदाता हैं, लिहाजा संपूर्ण लोकतंत्र के परिप्रेक्ष्य में भाषायी व्यवहार और असंसदीय आचरण का मूल्यांकन नहीं किया जा सकता। चूंकि हमारे राजनेता, सांसद और विधायक, कैबिनेट मंत्री आदि देश की जनता के प्रतिनिधि होते हैं और वे ही सदन में, जनता के आधार पर, विमर्श करते हैं।

अपना विचार प्रस्तुत करते हैं और कानून पारित करते हैं, लिहाजा वे ही लोकतंत्र के सार-रूप हैं। उनके भाषायी आचरण का विश्लेषण किया जा सकता है। हालांकि जन-प्रतिनिधि सदन में क्या बोलते-कहते हैं, क्या करते हैं और किसके पक्ष में मतदान करते हैं, उसे देश की किसी भी अदालत में चुनौती नहीं दी जा सकती। संविधान का अनुच्छेद 105 (2) उनकी प्रतिरक्षा करता है। लोकसभा के नियम 380 के तहत स्पीकर या पीठासीन अधिकारी को विशेषाधिकार प्राप्त होता है कि वह किन तथ्यों और शब्दों को कार्यवाही के अधिकृत रिकॉर्ड में दर्ज होने दे अथवा उन्हें खारिज कर दे। ऐसे ही अधिकार राज्यसभा में सभापति और उप सभापति तथा विधानसभा अध्यक्षों को भी हासिल हैं। सवाल यह है कि भाषायी मर्यादा भंग करने और मवालियों की भाषा के इस्तेमाल की नौबत ही क्यों आती है? बहुत पुराने प्रसंगों को छोड़ भी दें, तो मौजूदा कालखंड में प्रधानमंत्री मोदी ऐसी शख्सियत हैं, जो सर्वाधिक नफरत और आक्रोश के बिंदु बने हैं। यह दीगर है कि देश ने उनके नेतृत्व को भरपूर जनादेश देकर प्रधानमंत्री बनाया है। कांग्रेस के बड़े नेताओं, सांसदों और पूर्व केंद्रीय मंत्रियों ने प्रधानमंत्री मोदी के लिए कातिल, हत्यारा, यमराज, राक्षस, सांप, बिच्छू, चायवाला, तेली,बंदर, मौत का सौदागर और जहर की खेती आदि न जाने कितने अपशब्दों का इस्तेमाल किया है। कुछ शब्द तो ऐसे हैं कि हमारी नैतिकता उन्हें लिखने को रोकती है।

ये शब्द बोलने वाले नेता संवैधानिक पदों पर रह चुके हैं और आज भी अधिकतर सांसद हैं। प्रधानमंत्री के लिए 'फेंकू' विशेषण तो टीवी चौनलों की चर्चाओं में, कांग्रेस प्रवक्ताओं के मुख से, लगभग हररोज सुना जा सकता है। बदले में भाजपा प्रवक्ता और नेतागण कांग्रेस सांसद एवं पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी को सार्वजनिक तौर पर, सरेआम 'पप्पू' और '50 साल का बालक' कहकर संबोधित करते हैं। आखिर यह किस लोकतंत्र की भाषा और अभिव्यक्ति है? और ऐसी अभद्र, अश्लील भाषा के प्रयोग करने के मायने क्या हैं? हम संसदीय रिपोर्टिंग के अपने अनुभव से कह सकते हैं कि सदन में रिश्वत, लानत, धोखा, ठग, कट्टरपंथी, चरमपंथी, भगोड़ा, डॉर्लिंग, अनपढ़ या अंगूठा-छाप सरीखे शब्द बोलने पर निषेध है। परस्पर गाली देना, हाथापाई करना अथवा विधेयक फाड़ना भी निषिद्ध हैं, लेकिन संसद के भीतर ही ऐसी कई घटनाएं मैंने देखी हैं, जब इन असंसदीय शब्दों की मर्यादा भंग की गई। बेशक स्पीकर या पीठासीन अधिकारी ने ऐसे शब्दों को कार्यवाही के रिकॉर्ड में दर्ज नहीं होने दिया, लेकिन यह आधुनिकतम प्रौद्योगिकी का दौर है। संसदीय कार्यवाही का सीधा प्रसारण लोकसभा और राज्यसभा टीवी चौनलों के जरिए किया जाता है। नतीजतन ऐसे घोर आपत्तिजनक शब्द आम आदमी तक पहुंच ही जाते हैं। क्या ऐसा लोकतंत्र कभी महान माना जा सकता है? मौजूदा दौर में किसान आंदोलन 81 दिनों से जारी है। सिंघु बॉर्डर पर कुछ महिलाओं के चित्र सार्वजनिक हुए, जिनमें 'मर जा मोदी' का प्रलाप किया जा रहा था और औरतें स्यापा पीट रही थीं। क्या आंदोलन के लोकतांत्रिक दायरे में ऐसे चरित्र भी आते हैं? लद्दाख की एलएसी पर भारत-चीन सेनाओं के बीच समझौता हुआ। उसकी आलोचना में कांग्रेस नेताओं ने प्रधानमंत्री के लिए जिन असंसदीय और अभद्र शब्दों का प्रयोग किया है, कमोबेश वह पूरे देश के सामने है। आखिर यह प्रवृत्ति क्यों है? और इसके मायने क्या हैं? पूरे देश को ही सोचना चाहिए।

चाणक्य नीति

एक पंडित भी घोर कष्ट में आ जाता है यदि वह किसी मुर्ख को उपदेश देता है, यदि वह एक दुष्ट पत्नी का पालन-पोषण करता है या किसी दुखी व्यक्ति के साथ अतयंत घनिष्ठ सम्बन्ध बना लेता है।

एक सलाह

अच्छी किताबें और अच्छे लोग तुरंत समझ में नहीं आते, उन्हे पढ़ना पड़ता है।

काम की बात

बादशाह तो वक्त होता है, इंसान तो यूं ही गुरूर करता है।

पत्रकारिता का स्वरूप, विविध आयाम व महत्व

प्रो.शरद नारायण खरे

पत्रकारिता शब्द अंग्रेजी के 'जर्नलिज्म' का हिंदी रूपांतर है। शब्दार्थ की दृष्टि से 'जर्नलिज्म' शब्द 'जर्नल' से निर्मित है और इसका आशय है 'दैनिक'। अर्थात जिसमें दैनिक कार्यों व सरकारी बैठकों का विवरण हो। आज जर्णल शब्द 'मैगजीन' का द्योतक हो चला है। यानी, दैनिक, दैनिक समाचार-पत्र या दूसरे प्रकाशन, कोई सर्वाधिक प्रकाशन जिसमें किसी विशिष्ट क्षेत्र के समाचार हो। पत्रकारिता लोकतंत्र का अविभाज्य अंग है। प्रतिपल परिवर्तित होनेवाले जीवन और जगत का दर्शन पत्रकारिता द्वारा ही संभंव है। परिस्थितियों के अध्ययन, चिंतन-मनन और आत्माभिव्यक्ति की प्रवृत्ति और दूसरों का कल्याण अर्थात लोकमंगल की भावना ने ही पत्रकारिता को जन्म दिया है।

सीजी मूलर ने बिल्कुल सही कहा है कि 'सामायिक ज्ञान का व्यवसाय ही पत्रकारिता है। इसमें तथ्यों की प्राप्ति उनका मूल्यांकन एवं ठीक-ठाक प्रस्तुतीकरण होता है।' डॉ. अर्जुन तिवारी के कथनानुसार - 'ज्ञान और विचारों को समीक्षात्मक टिप्पणियों के साथ शब्द, ध्वनि तथा चित्रों के माध्यम से जन-जन तक पहुँचाना ही पत्रकारिता है। यह वह विद्या है जिसमें सभी प्रकार के पत्रकारों के कार्यों, कर्तव्यों और लक्ष्यों का विवेचन होता है। पत्रकारिता समय के साथ समाज की दिग्दर्शिका और नियामिका है। प्रेमनाथ चतुर्वेदी के अनुसार 'पत्रकारिता विशिष्ट देश, काल और परिस्थिति के आधार पर तथ्यों का, परोक्ष मूल्य का संदर्भ प्रस्तुत करती है।' टाइम्स पत्रिका के अनुसार- 'पत्रकारिता इधर-उधर से एकत्रित, सूचनाओं का केंद्र, जो सही दृष्टि से संदेश भेजने का काम करता है, जिससे घटनाओं का सहीपन को देखा जाता है।' डॉ कृष्ण बिहारी मिश्र के अनुसार- 'पत्रकारिता वह विद्या है जिसमें पत्रकारों के कार्यों, कर्तव्यों, और उद्देश्यों का विवेचन किया जाता हैद्य जो अपने युग और अपने संबंध में लिखा जाए वह पत्रकारिता है।' डॉ. भुवन सुराणा के अनुसार- 'पत्रकारिता वह धर्म है जिसका संबंध पत्रकार के उस धर्म से है जिसमें वह तत्कालिक घटनाओं और समस्याओं का अधिक सही और निष्पक्ष विवरण पाठक के समक्ष प्रस्तुत करता है।' उपरोक्त परिभाषाएं के आधार पर हम कह सकते हैं कि पत्रकारिता जनता को समसामयिक घटनाएं वस्तुनिष्ठ तथा निष्पक्ष रुप से उपलब्ध कराने का महत्वपूर्ण कार्य है। सत्य की आधार शीला पर पत्रकारिता का कार्य आधारित होता है तथा जनकल्याण की भावना से जुड़कर पत्रकारिता सामाजिक परिवर्तन का साधन बन जाता है।

पत्रकारिता का स्वरूप व विशेषताएं

सामाजिक सरोकारों तथा सार्वजनिक हित से जुड़कर ही पत्रकारिता सार्थक बनती है। सामाजिक सरोकारों को व्यवस्था की दहलीज तक पहुँचाने और प्रशासन की जनहितकारी नीतियों तथा योजनाओं को समाज के सबसे निचले तबके तक ले जाने के दायित्व का निर्वाह ही सार्थक पत्रकारिता है।

पत्रकारिता को लोकतंत्र का चौथा पाया (स्तम्भ) भी कहा जाता है। पत्रकारिता ने लोकतंत्र में यह महत्वपूर्ण स्थान अपने आप नहीं हासिल किया है बल्कि सामाजिक सरोकारों के प्रति पत्रकारिता के दायित्वों के महत्व को देखते हुए समाज ने ही दर्जा दिया है। कोई भी लोकतंत्र तभी सशक्त है जब पत्रकारिता सामाजिक सरोकारों के प्रति अपनी सार्थक भूमिका निभाती रहे। सार्थक पत्रकारिता का उद्देश्य ही यह होना चाहिए कि वह प्रशासन और समाज के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी की भूमिका अपनाये।

पत्रकारिता के इतिहास पर नजर लडालें तो स्वतंत्रता के पूर्व पत्रकारिता का मुख्य उद्देश्य स्वतंत्रता प्राप्ति का लक्ष्य था। स्वतंत्रता के लिए चले आंदोलन और स्वाधीनता संग्राम में पत्रकारिता ने अहम और सार्थक भूमिका निभाई। उस दौर में पत्रकारिता ने पूरे देश को एकता के सूत्र में पिरोने के साथ-साथ पूरे समाज को स्वाधीनता की प्राप्ति के लक्ष्य से जोड़े रखा।

इंटरनेट और सूचना के आधिकार (आरटीआई) ने आज की पत्रकारिता को बहुआयामी और अनंत बना दिया है। आज कोई भी जानकारी पलक झपकते उपलब्ध की और कराई जा सकती है। मीडिया आज काफी सशक्त, स्वतंत्र और प्रभावकारी हो गया है। पत्रकारिता की पहुँच और आभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का व्यापक इस्तेमाल आमतौर पर सामाजिक सरोकारों और भलाई से ही जुड़ा है, किंतु कभी कभार इसका दुरपयोग भी होने लगा है।

संचार क्रांति तथा सूचना के आधिकार के अलावा आर्थिक उदारीकरण ने पत्रकारिता के चेहरे को पूरी तरह बदलकर रख दिया है। विज्ञापनों से होनेवाली अथाह कमाई ने पत्रकारिता को काफी हद तक व्यावसायिक बना दिया है। मीडिया का लक्ष्य आज आधिक से आधिक कमाई का हो चला है। मीडिया के इसी व्यावसायिक दृष्टिकोन का नतीजा है कि उसका ध्यान सामाजिक सरोकारों से कहीं भटक गया है। मुद्दों पर आधारित पत्रकारिता के बजाय आज इन्फोटेमेंट ही मीडिया की सुर्खियों में रहता है।

इंटरनेट की व्यापकता और उस तक सार्वजनिक पहुँच के कारण उसका दुष्प्रयोग भी होने लगा है। इंटरनेट के उपयोगकर्ता निजी भड़ास निकालने और अतंर्गततथा आपत्तिजनक प्रलाप करने के लिए इस उपयोगी साधन का गलत इस्तेमाल करने लगे हैं। यही कारण है कि यदा-कदा मीडिया के इन बहुपयोगी साधनों पर अंकुश लगाने की बहस भी छिड़ जाती है। गनीमत है कि यह बहस सुझावों और शिकायतों तक ही सीमित रहती है। उस पर अमल की नौबत नहीं आने पाती। लोकतंत्र के हित में यही है कि जहाँ तक हो सके पत्रकारिता हो स्वतंत्र और निर्बाध रहने दिया जाए, और पत्रकारिता का अपना हित इसमें है कि वह आभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का उपयोग समाज और सामाजिक सरोकारोंके प्रति अपने दायित्वों के ईमानदार निवर्हन के लिए करती रहे।

मनुष्य स्वभाव से ही जिज्ञासु होता है। उसे वह सब जानना अच्छा लगता है जो सार्वजनिक नहीं हो अथवा जिसे छिपाने की कोशिश की जा रही हो। मनुष्य यदि पत्रकार हो तो उसकी यही कोशिश रहती है कि वह ऐसी गूढ़ बातें या सच उजागर करे जो रहस्य की गहराइयों में कैद हो। सच की तह तक जाकर उसे सतह पर लाने या उजागर करने को ही हम अन्वेषी या खोजी पत्रकारिता कहते हैं।

खोजी पत्रकारिता एक तरह से जासूसी का ही दूसरा रूप है जिसमें जोखिम भी बहुत है। यह सामान्य पत्रकारिता से कई मायनों में अलग और आधिक श्रमसाध्य है। इसमें एक-एक तथ्य और कड़ियों को एक दूसरे से जोड़ना होता है तब कहीं जाकर वांछित लक्ष्य की प्राप्ति होती है। कई बार तो पत्रकारों द्वारा की गई कड़ी मेहनत और खोज को बीच में ही छोड़ देना पड़ता है, क्योंकि आगे के रास्ते बंद हो चुके होते हैं। पत्रकारिता से जुड़ी पुरानी घटनाओं पर नजर दौड़ायें तो माई लाई कोड, वाटरगेट कांड, जैक एंडर्सन का पेंटागन पेपर्स जैसे अंतरराष्ट्रीय कांड तथा अन्य राष्ट्रीय घोटाले खोजी पत्रकारिता के चर्चित उदाहरण हैं। ये घटनायें खोजी पत्रकारिता के उस दौर की हैं जब संचार क्रांति, इंटरनेट या सूचना का आधिकार (आरटीआई) जैसे प्रभावशाली अस्त्र पत्रकारों के पास नहीं थे। इन प्रभावशाली हथियारों के अस्तित्व में आने के बाद तो घोटाले उजागर होने का जैसे एक दौर ही शुरु हो गया। जाने-माने पत्रकार जुलियन असांज के 'विकीलिक्स' ने तो ऐसे-ऐसे रहस्योद्घाटन किये जिनसे कई देशों की सरकारें तक हिल गई।

इंटरनेट और सूचना के आधिकार ने पत्रकारों और पत्रकारिता की धार को अत्यंत पैना बना दिया लेकिन इसका दूसरा पहलू यह भी है कि पत्रकारिता की आड़ में इन हथियारों का इस्तेमाल 'ब्लैकमेलिंग' जैसे गलत उद्देश्य के लिए भी होने लगा है। समय-समय पर हुये कुछ 'स्टिंग ऑपरेशन' और कई बहुचर्चित सीडी कांड इसके उदाहरण हैं। पर पत्रकारिता मर्यादाओं के घेरे में होना चाहिए। खोजी पत्रकारिता साहसिक तक तो ठीक है, लेकिन इसका दुस्साहस न तो पत्रकारिता के हित में है और न ही समाज के। सदैव स्वस्थ सकारात्मक पत्रकारिता ही जनहितैषी सिध्द होती है।

किसका विरोध, क्या जनता का?

डॉ. वेद प्रताप वैदिक

सर्वोच्च न्यायालय ने जन-प्रदर्शनों के बारे में जो ताजा फैसला किया है, उससे उन याचिकाकर्ताओं को निराशा जरूर हुई होगी, जो विरोध-प्रदर्शन के अधिकार के लिए लड़ रहे हैं। यदि किसी राज्य में जनता को विरोध-प्रदर्शन का अधिकार न हो तो वह लोकतंत्र हो ही नहीं सकता। विपक्ष या विरोध तो लोकतंत्र की मोटरकार में ब्रेक की तरह होता है। विरोधरहित लोकतंत्र तो बिना ब्रेक की गाड़ी बन जाता है। अदालत ने विरोध-प्रदर्शन, धरने, अनशन, जुलूस आदि को भारतीय नागरिकों का मूलभूत अधिकार माना है लेकिन उसने यह भी साफ-साफ कहा है कि उक्त सभी कार्यों से जनता को लंबे समय तक असुविधा होती है तो उन्हें रोकना सरकार का अधिकार है। अदालत की यह बात एकदम सही है, क्योंकि आम जनता का कोई हुक्का-पानी बंद कर दे तो यह भी उसके मूलभूत अधिकारों का उल्लंघन है। यह सरकार का नहीं, जनता का विरोध है। प्रदर्शनकारी तो सीमित संख्या में होते हैं लेकिन उनके धरनों से असंख्य लोगों की स्वतंत्रता बाधित हो जाती है। लाखों लोगों को लंबे-लंबे रास्तों से गुजरना पड़ता है, धरना-स्थलों के आस-पास के कल-कारखाने बंद हो जाते हैं और सैकड़ों छोटे-व्यापारियों की दुकानें चौपट हो जाती हैं। गंभीर मरीज अस्पताल तक पहुंचते-पहुंचते दम तोड़ देते हैं। शाहीन बाग और किसानों जैसे धरने यदि हफ्तों तक चलते रहते हैं तो देश को अरबों रु. का नुकसान हो जाता है। रेल रोको अभियान सड़कबंद धरनों से भी ज्यादा दुखदायी सिद्ध होते हैं। ऐसे प्रदर्शनकारी जनता की भी सहानुभूति खो देते हैं। उनसे कोई पूछे कि आप किसका विरोध कर रहे हैं, सरकार का या जनता का ? इस तरह के धरने चलाने के पहले अब पुलिस की अनुमति लेना जरुरी होगी, वरना पुलिस उन्हें हटा देगी।

पता नहीं, दिल्ली सीमा पर चल रहे लंबे धरने पर बैठे किसान अब अदालत की सुनेंगे या नहीं। इन धरनों और जुलूसों से एक-दो घंटे के लिए यदि सड़कें बंद हो जाती हैं और कुछ सार्वजनिक स्थानों पर प्रदर्शनकारियों का कब्जा हो जाता है तो कोई बात नहीं लेकिन यदि इन पैंतरों से मानव-अधिकारों का लंबा उल्लंघन होगा तो पुलिस-कार्रवाई न्यायोचित ही कही जाएगी। पिछले 60-65 वर्षों में मैंने ऐसे धरने, प्रदर्शन, जुलूस और अनशन दर्जनों बार स्वयं आयोजित किए हैं लेकिन इंदौर, दिल्ली, लखनऊ, वाराणसी, भोपाल, नागपुर आदि शहरों की पुलिस ने उन पर कभी भी लाठियां नहीं बरसाईं। महात्मा गांधी ने यही सिखाया है कि हमें अपने प्रदर्शनों को हमेशा अहिंसक और अनुशासित रखना है। उन्होंने चौरीचौरा का आंदोलन बंद क्यों किया था, क्योंकि आंदोलनकारियों ने वहां हत्या और हुड़दंग मचा दिया था।

संसद में मोदीः लहजे जुदा-जुदा है... जज्बे अलग-अलग...?

दो दिनः दो सदनः दो परिदृश्य

ओमप्रकाश मेहता
लेखक

अब इसे हमारे माननीय प्रधानमंत्री जी की बाजीगरी कहा जाए कलाकारी.... हमारे प्रजातंत्र के मंदिर (संसद) में इस प्रमुख पुजारी ने अपनी अराधना के दो अलग-अलग रूप दिखाये, संसद के एक सदन में एक दिन जहां प्रतिपक्षी के नेता की बिदाई पर अश्कों की बरसात की तो दूसरे दिन दूसरे सदन में प्रतिपक्ष पर क्रोध की बारिश। अब इसे प्रधानमंत्री की अभिनय विद्या का श्रेष्ठ प्रदर्शन से अधिक क्या कहा जा सकता है? वैसे यदि यह कहा जाए कि मोदी जी ने पहले दिन राज्यसभा में संसदिय संस्कृति को पराकाष्ठा पर पहुंचा कर नेहरू-लोहिया की राजनीति को पीछे छोड दिया वहीं दूसरे दिन लोकसभा में प्रतिपक्ष पर छोड़े गए शब्दों के बाणों से इंदिरा जी को पछाड़ दिया, इन दो दिनों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र भाई मोदी के दो अलग-अलग रूप नजर आए जो अपने आपमें काफी अनूठे थे।

पिछली शताब्दी के छठे दशक में तत्कालीन प्रधानमंत्री पं. जवाहर लाल नेहरू और प्रतिपक्ष के तेज-तर्रार नेता डॉ. राम मनोहर लोहिया संसद में काफी तीखी बहस करते थे, किंतु जब दोनों नेता सदन से बाहर निकलते थे तो वे आपस में गलबैयां डाले मुस्कुराकर बतियाते नजर आते थे, किंतु पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राज्यसभा में सदन के नेता प्रतिपक्ष गुलाम नबी आजाद की बिदाई पर जो मर्मस्पर्शी यादें ताजा कर अश्रुओं की बरसात की, वह परिदृष्य संसदीय इतिहास में अभूतपूर्व स्मृति के रूप में दर्ज होगा। भावावेश में उस वक्त प्रधानमंत्री ने गुलाम नबी जी को सदन में वापस लाने तक की बात कर दी, जबकि गुलाम नबी कांग्रेस से जुड़े है, किंतु मोदी की इस भावना को भविष्य के संकेतों से जोड़कर अवश्य देखा जा रहा है, क्योंकि फिलहाल गुलाम नबी जी की उनकी अपनी पार्टी से भी कुछ पटरी बैठ नहीं रही है, इसी अवसर पर समाजवादी पार्टी के एक वरिष्ठ सदस्य ने तो व्यंग की मुद्रा में यह कह भी दिया कि जम्मू-कश्मीर में फिलहाल केन्द्रीय शासन है, इसलिए गुलाम नबी जी को वहां का मुख्यमंत्री घोषित कर दिया जाए। जो भी हो, किंतु मोदी द्वारा गुलाम नबी के भविष्य को लेकर की गई टिप्पणी में भावार्थ काफी निहित है।

यह तो हुआ पहले दिन की राज्यसभा के सदन का किस्सा, लेकिन दूसरे दिन संसद के दूसरे सदन लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर हुई चर्चा के जवाब का मोदी का लहजा पहले दिन से काफी भिन्न था। चर्चा पर जवाब का केन्द्र बिन्दू किसान आंदोलन था, जिसे लेकर मोदी ने प्रतिपक्ष पर 'आंदोलनजीवी' जैसे अनेक आरोप लगाए, यही नहीं 'जीवीपुराण' के कई अध्यायों का जिक्र किया गया। कुछ को 'परजीवी' कुछ को 'वोटजीवी' तो कुछ को 'बुद्धिजीवी' व 'चंदाजीवी' भी कहा गया। अपने डेढ़ घण्टे के भाषण में मोदी जी ने हर तरीके से प्रतिपक्ष को आड़े हाथों लिया, किंतु किसानों के आंदोलन को 'पवित्र' ही बताया।

अपने इस लम्बे वक्तवय के माध्यम से यदि यह कहा जाए कि भारतीय राजनीति की मूल भावना को मोदी ने उजागर किया कतई गलत नहीं होगा? क्योंकि अपने इस लम्बे भाषण के चलते मोदी जी यह क्यों भूल गए कि भारतीय राजनीति में प्रतिपक्ष की यही तो मूल संस्कृति रही है, आजादी के बाद से अब तक पूर्वजनसंघ या मौजूदा भाजपा ही अधिकांश समय तक प्रतिपक्ष में रही है और आज जिन आक्षेपों को लेकर कांग्रेस को मोदी जी आरोपों के कटघरे में खड़ा कर रहे है, क्या मोदी जी की पार्टी के पूर्वज इस कटघरे में लम्बे समय तक खड़े नहीं रहें, क्या भाजपा कभी भी 'आंदोलन जीवी' नहीं रही? फिर आज अपनी पार्टी को 'गंगाजल से धुली' बताने का प्रयास क्यों किया जा रहा है?

इन्हीं मौजूदा संदर्भों में अब यदि यह कहा जाए कि समय के साथ राजनीति के भी रंग बदलते है तो गलत नहीं होगा, आज कि राजनीति पूरी तरह 'वोट केन्द्रित' होकर रह गई है, हर तरीके से राजनीतिक दलों, विशेषकर सत्तारूढ़ दल द्वारा यह प्रयास किया जाता है कि उसी की सत्ता दीर्घजीवी रहे और वही पूरे देश पर एकछत्र राज करें, अब न उसे वोटर की चिंता है न उसकी सुख-सुविधा या चिंताएं दूर करने की। आज की यही 'राज संस्कृति' रह गई है और कहने भर को अब हम 'लोकतंत्री' रह गए है।

आओ! थोड़ा बसंत हो जाए...

प्रभुनाथ शुक्ल

माघ अलविदा हो चला है। मौसम का मिजाज फागुनी हो चला है। जवान ठंड अब बुढ़ी हो गई है। हल्की पछुवा की गलन सुबह दृ शाम जिस्म में चुभन और सिहरन पैदा करती है। गुनगुनी धूप थोड़ा तीखी हो गई है। घास पर पड़ी मोतियों सरीखी ओस की बूँदें सूर्य की किरणों से जल्द सिमटने लगी हैं। प्रकृति के इस बदलाव के साथ फागुन ने आहिस्ता- आहिस्ता कदम बढ़ा दिया है। फसलों की रंगत बदल गई है। गाँवों में रंग रंगीली होली के दिन करीब आने वाले हैं। लेकिन होली की कोई आहट नहीँ दिखती। प्रकृति तो हमें वसंत का भरपूर ऐहसास दिलाती दिखती है। सिवान की मेंडों से गुजरते वक्त फसलें उसी सिद्दत से पछुवा हवाओं के साथ झूम कर आलिंगन करती हैं। गदराई सरसों के खेत पीले- पीले फूलों और हरी फलियों से झुक गए हैं। अलसी और तीसी के नीले फूल झूम- झूम कर वसंत के स्वागत में लगे हैं। जौ की सुनहली बालियां बौराई सी झूम रहीं हैं। मटर फूल और फली से लद गई है। टेंशू , गेंदा और गुलाब फागुन की मस्ती में खिलखिला रहे हैं। अमराइयों में आम में लगे बौरों की मादकता अजीब गंध फैला रहीं है। भौंरे कलियों का रसपान कर वसंत के गीत गुनगुना रहे हैं। पेड़ों से पत्ते रिश्ते तोड़ वसंत के स्वागत में धरती पर बिछ जाने को आतुर हैं। प्रकृति और उसका ऐहसास फागुन के होने की दस्तक देता है। भौजाई की ठिठोली और मसखरी जाने कहां खो गई। फागुन के गीतों पर ढोल- मंजीरे की थाप सुनाई नहीँ देती है। पूर्वांचल में फागुन के गीत को फगुवा के नाम से पुकारा जाता है। लेकिन अब यह गीत और उसे गाने वाले लोग गायब हैं।

आधुनिक विकास ने गांव की परिभाषा को निगल लिया है। अब गांव की असली तस्वीर केवल पुरानी हिंदी फिल्मों में कैद हो चुकी है। कभी गांव का नाम जेहन में आते ही खपरैल, घास- फूस और छप्पर की तस्वीर उभर आती थी। दिमाग में कोल्हू, हल- बैल, कुएं , तालाब , दुबला , रहट, नार- मोट, ढेकुली, मंदिर और लुका- छिपी

का खेल नाचने लगता था। हुक्का गुड़गुडाते सुक्खु चाचा और टूटे चश्मे की फ्रेम आँखों पर चढ़ाई दादी गायब है। यहीं नहीँ उसकी डाट में छुपी मिठास और हाथों की छड़ी भी बदले दौर में गुम हो गई। अब तो नई पीढ़ी को गांव और दादी गूगल पर ही मिलेगी। माघ- फागुन के मौसम में चरखी से निकले गन्ना के रस में दही मिला सीखरन तैयार होता था। फिर मटर की सलोनी के साथ उसे पीने का आनंद और स्वाद ही अलग था। अब गाँवों से गन्ने की खेती गायब हो चली है। कड़ाहे गुड़ और खांड की सोंधी गंध नाक को तृप्त नहीँ करती। वह वक्त भी था जब पकती खांड में हम आलू डालने जाते तो दादा की खूब डाट मिलती। लेकिन सब कुछ बदल गया है। अब गांव कंकरीट के जंगल में तब्दील हो चुके हैं। धनाढ्यों ने कई मंजिला इमारतें खड़ी कर शहरी अभिजात संस्कृति का आगाज किया है। घरों में टिमटिमाती ढेबरी की जगह एलीडी और इनवर्टर की प्रकाश ने ले लिया है। कभी दृ कभी मिट्टी का तेल यानी केरोसिन न मिलने से दादी और अम्मा कड़ुवा तेल का दीपक जलाती थी। लेकिन अब यह बातें कहानियां हो गई हैं। डाकिया बाबू दिखाई नहीँ पड़ते। अब कोई भौजाई देवर से पति को पाती लिखवाने की आरजू मिन्नत नहीँ करती दिखती। मोबाइल ने तो जीवन की सारी रसिकता छीन लिया है। नई पीढ़ी के लिए गांव, वसंत और फागुन शोध का विषय बन गए हैं।

प्रकृति में अल्हड़ फागुन जीवंत है लेकिन बदली परम्पराओं और हमारी सोच में वह बूढ़ा हो चला है। फागुन में रास है न रंग। बस होली के नाम पर औपचारिकता दिखती है। अब गालों पर गुलाल मलने सिर्फरस्म निभाई जाती है जबकि दिल नई मिलते। फाग गीतों की आड़ में दोअर्थी भोजपूरिया गीतों ने हमारी संस्कृति और संस्कार को गंदा कर दिया है। होली का हुल्लड़ अब फूहड़ हो चला है। गाँवों में फागुन वाली भौजाई गायब है। जब कच्चे मकान होते थे तो भौजाई और घर की औरतें माटी- गोबर लगाती थी। क्योंकि बारिश की वजह से छप्पर टपकने से घर की दीवालें कट जाती थी। पतझड़ का मौसम आते ही पेड़ों की पत्तियों को पोतनी मिट्टी और गोबर के साथ मिलाकर घरों की पुताई होतीं थी। पूर्वांचल में गांव की भाषा में इसे गोबरी कहते हैं। गोबरी लगाते वक्त अगर कोई देवर उधर से गुजरता था तो भौजाई दौड़ा कर मुंह और कपड़े में गोबरी लगा फागुन और होली के हुडदंग का आगाज करती थी। फिर देवर भी भौजाई को छेड़ने के मौके तलाशते थे। टोलियों के साथ होली मनती थी। वसंत लगते ही रंगत बदल जाती थी। माघ- फागुन में होने वाली शादी में दूल्हा और बाराती रंगो में नहा उठते थे। होली के दिन गुड़ में भांग मिलाकर महजूम बनाए जाते थे। भांग मिश्रित ठंढई बनती थी।

बचपन में हम लोग उसे पीकर होली के हुडदंग में शामिल हो जाते। यह सब वसंत लगते ही शुरु हो जाता था। लेकिन अब न वह देवर हैं न भौजाई। पूर्वांचल के गाँवों में पंचायती चुनाव के चलते सौहार्द का समीकरण इतना बिगड़ गया है। कोई किसी के घर नहीँ जाना चहता है। त्योहारों का उत्साह भी गोलबंद हो चला है। होलिका अब नहीँ जुटाई जाती है। वह दौर भी था जब वसंत पंचमी के दिन से होलिका संग्रह होने लगता। बचपन में युवाओं में होलिका को लेकर खास उत्साह होता। जिस दिन होलिका दहन होता उस दिन दादी ऊबटन और तेल की मालिश कर उसकी लिझी यानी मैल होलिका में डलवाती थी। लेकिन अब इस तरह के रिवाज गायब हैं। होलिका दहन अब औपचारिक हो चला है। त्यौहारों की मिठास ख़त्म हो चली है। आपसी प्रेम और सौहार्द गायब है। फागुन एक सोच है। वह जिंदगी को हसीन और रंगीन बनाने का संदेश है। वह उम्मीदों की नई कोंपल है। लेकिन वक्त इतनी तेजी से बदला की गांव दृ गँवई और गवईया गायब हो गए। फागुन और उसकी ठिठोली खुद को तलाश रहीं है। बेचारा अल्हड़ और अलमस्त फागुन बूढ़ा हो चला है।

सनशाईन हाईटेक कम्पनी के विरूद्ध सम्पत्ति कुर्क करने का आदेश पारित

माही की गूंज, मंदसौर।

मध्यप्रदेश निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2000 की धारा 5 व 6 के अंतर्गत प्रस्तुत किया गया। उक्त प्रकरण में सनशाईन हाईटेक इन्फ्राकोन लिमिटेड कम्पनी में आरडी प्लान एवं एफडी प्लान में लोगों से रूपए निवेश करवाकर दोगुना ब्याज भुगतान करने का लालच देकर 2 कारोड़ 98 लाख 271 रूपए की धोखाधड़ी की गई है। प्रकरण में वित्ती्य स्थापना सनशाईन हाईटेक इन्फ्राकोन लिमिटेड कम्पनी पर लगभग 30 करोड़ रुपयों की अचल संपतियों को कुर्क करने का आदेश पारित किया गया है।

आदेश के बाद पुलिस की कार्रवाई

सनशाईन हाई टेक इन्फ्राकॉन चिटफंड कंपनी की कुल अनुमानित 30 करोड की संपत्ति निस्तारण के आदेश जारी हुए, निवेशकों में मेहनत की कमाई के रूपए वापस मिलने की आस जगी। मंदसौर पुलिस की लगातार चल रही है चिटफंड कंपनी की संपत्ति निस्तारण की कार्रवाई। निवेशकों की मेहनत की कमाई से देश के विभिन्न राज्यों गुजरात, महाराष्ट्र और मप्र में चल-अचल संपत्ति खरीद रखी थी।

पुलिस अधीक्षक मंदसौर सिद्धार्थ चौधरी के निर्देशन तथा डॉ. अमित वर्मा, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मंदसौर एवं परमाल सिंह मेहरा, नगर पुलिस अधीक्षक मंदसौर के मार्गदर्शन में चिटफंड कंपनियों, सूदखोरों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तारतम्य में पुलिस थाना कोतवाली द्वारा फ्रॉड चिटफंड कंपनी सनशाईन हाईटेक इन्फ्राकॉन के डायरेक्टर, संचालकों के द्वारा वर्ष 2012 से 2013 के बीच उक्त कंपनी ने मंदसौर में गोल चौराहा बालागंज मंदसौर मे अपनी शाखा खोलकर एवं बसेर पैलेस होटल में सेमीनार आयोजित कर आरडी पर 16 प्रतिशत ब्याज एवं एफडी पर 20 प्रतिशत ब्याज का लालच देकर आमजनता सें आरडी/एफडी के नाम पर निवेश करवाया था और 5 वर्ष में धन को दोगुना करवाने एवं कमीशन का लालच देकर मंदसौर एवं मंदसौर के आसपास के निवेशकों से 12 लाख 86 हजार 600 रुपये से अधिक रुपयों का निवेश करवाकर सनशाईन हाईटेक इन्फ्राकॉन कंपनी के द्वारा धोखाधड़ी की गई थी। सनशाईन हाईटेक इन्फ्राकॉन कंपनी के संचालक जब मैचुरिटी से पूर्व कंपनी के ऑफिस बंद कर भूमिगत हो गए थे, शिकायतकर्ताओं की शिकायत पर थाना शहर कोतवाली मंदसौर पर अपराध क्रमांक 36/2018 धारा 406,420,409,201,120-बी, भादवि, व धारा 4,6(1) मप्र निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम तथा धारा 5 व 6 ईनामी चिटफंड और धन परिचालन अधिनियम के अंतर्गत अपराध पंजीबद्ध कर कंपनी के संचालक को गिरफ्तार किया गया था। उनकी निशांदेही पर कुल अनुमानित 30 करोड की प्रॉपर्टी के दस्तावेज जप्त कर मप्र निक्षेपकों के हितों का संरक्षण अधिनियम 2000 के अंतर्गत कार्रवाई करतें हुए इस्तगासा जिला दंडाधिकारी जिला मंदसौर को पेश कर निस्तारण के आदेश पारित करवाए गए। जिससे इन कंपनियों के निवेशको में उनके मेहनत की पूंजी मिलने की उम्मीद जागी है। चिटफंड कंपनियों के विरूद्ध संपत्ति निस्तारण की कार्रवाई जारी रहेगी।

सनशाईन हाईटेक इन्फ्राकॉन कंपनी की निम्नलिखित प्रॉपर्टी के निस्तारण के आदेश हुए पारित

पिपलोदा गुजरात में सर्वे नंबर 391 की भूमि, वाघोडिया गुजरात मे स्थित 02 बीघा कृषि भूमि, अरिहंत सोया प्लांट औद्योगिक क्षेत्र मेघनगर निर्माणाधीन प्लांट, अहमदनगर महाराष्ट्र इंडस्ट्री एरिया में निर्माणाधीन साबुन की फेक्ट्री, गोंदिया महाराष्ट्र में 02 हैक्टेयर 80 आरी कृषि भूमि, ग्राम छायन सेमलखेड़ी तह. राणापुर जिला झाबुआ म.प्र. मे हैक्टेयर तथा लगभग 60 बाय 50 वर्गफीट में फैला दो मंजिला मकान सर्वे नंबर 11 कुल रकबा 2.996 है, इस प्रकार उपरोक्त समस्त प्रॉपर्टी की कुल अनुमानित कीमत लगभग 30 करोड़ रुपये है।

दुष्कर्म के दोषी को 10 साल का सश्रम कारावास सुनाया

माही की गूंज, मंदसौर।

माननीय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश महोदय निशा गुप्ता ने 36 वर्षीय आमीन पुत्र अल्लारख अजमेरी निवासी ग्राम सेमली को दुष्कर्म का दोषसिद्ध पाते हुए 10 साल का सश्रम कारावास सुनाया है।

मिडिया सेल प्रभारी नितेश कृष्णन ने बताया कि, दिनांक 13 जनवरी 2015 को पीड़िता ने थाना नई आबादी में रिपोर्ट दर्ज करवाई कि, वह ग्राम सेमली में अपने पति व दो बच्चों के साथ रहती है व मजदूरी करती है, उसके पति गांव से बाहर गए हुए थे। 11 जनवरी 2015 को करीब 12 बजे वह अकेली घर के बाहर बैठी थी, बच्चे स्कूल के पास खेल रहे थे। आसपास कोई नहीं था तभी गांव का आमीन पुत्र अल्लारख आया और उसका हाथ पकड़कर उसके जेठ के मकान की ओरी में ले गया। इस पर वह चिल्लाने लगी तो जान से मारने की धमकी देते हुए मुंह दबाकर उसे पकड़ लिया और फिर उसके साथ दुष्कर्म किया। पति के वापस आने पर पूरी घटना बताई व थाने पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज करवाई। इस पर थाना वायडीनगर में धारा 376, 506 भादवि में प्रकरण दर्ज किया गया तथा विवेचना के दौरान धारा 354, 450 भादवि का इजाफा किया गया। संपूर्ण अनुसंधान उपरांत आरोपित के विरुद्ध अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। माननीय द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश महोदय निशा गुप्ता मंदसौर द्वारा आमीन पुत्र अल्लारख अजमेरी निवासी ग्राम सेमली थाना वायडीनगर जिला मंदसौर को दुष्कर्म के आरोप में धारा 450 में तीन वर्ष सश्रम कारावास व दो हजार रुपए अर्थदंड, धारा 376 में 10 वर्ष सश्रम कारावास व 5 हजार रुपए अर्थदंड, 506 में छह माह सश्रम कारावास से दंडित किया गया। प्रकरण में अभियोजन का संचालन लोक अभियोजक कांतिलाल राठौर द्वारा किया गया।

महिला एवं बच्चों पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम के लिए एक दिवसीय कार्यशाला सम्पन्न

माही की गूंज, मंदसौर।

म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मंदसौर विजय कुमार पाण्डेय के मार्गदर्शन में एडीआर भवन मंदसौर में उड़ान एवं जनसाहस संस्था के समन्वय से महिला एवं बच्चों पर होने वाले लैंगिक उत्पीड़न की रोकथाम के लिए एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला का शुभारंभ जिला एवं सत्र न्यायाधीश अध्यक्ष विजय कुमार पाण्डेय द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर दीप प्रज्जलन एवं माल्यार्पण कर किया गया। इस अवसर पर जिला न्यायाधीश द्वारा वर्तमान में महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध निरंतर बढ़ते हुए अपराधों पर चिन्ता व्यक्त करते हुए बताया कि, इस प्रकार के अपराधों पर नियंत्रण करने के लिए समाज में निरंतर जागरूकता कार्यक्रम किए जाने की आवश्यकता है। इस प्रकार की कार्यशालाएं बहुत ही महत्वपूर्ण है, साथ ही उपस्थित सभी विभागों के अधिकारीगण, कर्मचारीगण, पैरालीगल वालेंटियर्स एवं उपस्थित समस्तजन को इस कार्यशाला का लाभ उठाने हेतु प्रोत्साहित किया।

अपर जिला न्यायाधीश/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मंदसौर रईस खान द्वारा बताया कि, अपराध क्या है एवं किन परिस्थितियों में गठित होता है? साथ ही वर्णित किया कि, हमें सायबर क्राईम पर नियंत्रण करने के लिए स्वयं जागरूक रहनें की आवश्यकता है, जो कि निरंतर कानून की जानकारी से ही संभव है और इस प्रकार की जानकारियां आमजन को विधिक जागरूकता शिविरों एवं कार्यशालाओं के माध्यम से प्राप्त होती है। श्री खान द्वारा राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं से भी अवगत कराया।

न्यायिक मजिस्ट्रेट श्रीमती मंजूसिंह द्वारा किशोर न्याय अधिनियम एवं पाक्सो एक्ट के प्रावधानों संबंध में विस्तारपूर्वक जानकारी दी। उड़ान संस्था की संचालक सुश्री संगीता कुम्भकार द्वारा उड़ान संस्था एवं जनसाहस संस्था के उद्देश्य एवं गतिविधियों से अवगत कराया। तदोपरांत जनसाहस संस्था के करन राठौर द्वारा पावर प्रजेंटेशन के माध्यम से मानव दुर्व्यापार पर संक्षिप्त फिल्म के माध्मय से समाज में जागरूकता का संदेश प्रदान किया।

अंत में जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान पैरालीगल वालेंटियर्स द्वारा किए गए कार्यो हेतु एवं उक्त कार्यशाला में उपस्थित प्रतिभागीगण को प्रमाण-पत्र वितरित किए गए एवं उपस्थित समस्तजन को महिलाओं एवं बच्चों के विरूद्ध होने वाले अपराधों के निवारण हेतु सदैव तत्पर रहने के संबंध में शपथ दिलवाई गई। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार जिला विधिक सहायता अधिकारी योगेश बंसल द्वारा किया गया।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए दल गठित

माही की गूंज, शाजापुर। कलेक्टर दिनेश जैन ने लाडो अभियान अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम के लिए जिला, विकासखण्ड, ग्राम एवं वार्ड स्तर पर दल गठित किया है, उल्लेखनीय है कि, 16 फरवरी बसंत पंचमी एवं 14 मई 2021 'अक्षय तृतीया' मुहूर्तो के अवसर पर सामूहिक विवाह संपन्न होते हैं, जिसमें बाल विवाह होने की प्रबल संभावना होती है। इन अवसरों पर विशेष रूप से विवाह पर निगरानी रखते हुए पूरे वर्ष अभियान अंतर्गत बाल विवाह रोकथाम के लिए कार्रवाई की जाएगी। जिला स्तरीय दल में कलेक्टर एवं जिला दण्डाधिकारी अध्यक्ष, महिला एवं बाल विकास जिला कार्यक्रम अधिकारी को दल में सदस्य सचिव बनाया। 18 वर्ष से कम उम्र की बालिकाओं एवं 21 वर्ष से कम उम्र के बालक जिनके विवाह की संभावना हो की सूचना एकत्रित कर संबंधितों को निगरानी करने हेतु निर्देशित करेंगे।

भारत जैसी देवभूमि कही भी नहीं है, हर व्यक्ति लगाए पॉच पेड़ - मंत्री सुश्री ठाकुर

माही की गूंज, शाजापुर।

प्रत्येक व्यक्ति अपने जीवन में कम से कम पांच पौधे लगाकर उन्हें बड़ाकर वृक्ष बनाए। यह बात प्रदेश की पर्यटन, संस्कृति तथा अध्यात्म विभाग मंत्री सुश्री उषा ठाकुर ने शाजापुर में माँ राज राजेश्वरी मंदिर परिसर में 82 लाख रूपए लागत से निर्मित सांस्कृतिक भवन के लोकार्पण एवं 13 दुकानों के भूमि पूजन के अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में कही। मंत्री सुश्री ठाकुर ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि, भारत जैसी देवभूमि कही भी नहीं है, यहां 75 हजार से अधिक प्रजातियों के फल-पौधे तथा 45 हजार से अधिक जीव जंतु है। इस देवभूमि को सजाने, सवारने एवं उसे वास्तविक स्वरूप में ही रहने देने की जिम्मेदारी शासन-प्रशासन, समाज के हर व्यक्ति की है। प्रकृति के न्याय का सिद्धांत है कि, जितना लिया है उतना ही उसे वापस भी किया जाए, किन्तु वृक्ष कटते जा रहे है और इसके अनुपात में पौधे नही लग रहे है, इसलिए पर्यावरण का संतुलन बिगड़ गया है और ग्लोबल वार्मिंग हो रही है। जिसका नतीजा है कि, मालवा जैसे क्षेत्र जिसे शबे मालवा कहा जाता है, में भी तापमान बढ़ गया है। पृथ्वी पर प्राकृतिक संतुलन बनाने के लिए वृक्ष लगाना आवश्यक है, एक वृक्ष अपने नीचे 10 हजार लीटर पानी संग्रहित करता है, वहीं वातावरण का 10 डिग्री सेंटीग्रेट तापमान भी कम करता है। उन्होने कहा कि, मनुष्य के दाह संस्कार में लगभग 5 पेड़ लग जाते है, इस प्रकार मनुष्य अपने ऋृण को उतारने के लिए जीवन में कम से कम पांच पौधे लगाकर उन्हें वृक्ष बनाए। इस मौके पर सांसद महेन्द्र सिंह सोलंकी, मेला एवं तीर्थ स्थान विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष माखन सिंह चौहान, अम्बाराम कराड़ा, पूर्व विधायक अरूण भीमावद, आदी ने संबोधित करते हुए साशन की योजना व विकास की बात कही। आयोजन में गिरीराज मण्डलोई, बाबूलाल वर्मा, इंदर सिंह गोठी, लालजीराम मालवीय, साहित्य अकादमी के निदेशक डॉ. विकास दुबे, नवीन राठौर, किरण सिंह ठाकुर आदी उपस्थित थे। इस अवसर पर अतिथियों ने नव निर्मित सांस्कृतिक भवन का फीता काटकर लोकार्पण किया। साथ ही मंदिर परिसर में निर्मित होने वाली 13 दुकानों का भूमि पूजन किया। इसके पूर्व कार्यक्रम का शुभारंभ कन्या पूजन के साथ हुआ।

कलेक्टर दिनेश जैन ने मंदिर क्षेत्र के विकास के संबंध में बताया कि, शाजापुर के इस मंदिर को बेहतर ढंग से विकसित करेंगे ताकि यह पर्यटको के आकर्षक का केन्द्र बने। मंदिर परिसर में ऐतिहासिक बाबड़ी का भी जीर्णोद्धार किया जाएगा।

ब्रोशर का विमोचन

जिला पर्यटन एवं संवर्धन परिषद शाजापुर द्वारा पर्यटको को शाजापुर के भम्रण के लिए आकर्षित करने के उददेश्य से तैयार किए गए ब्रोशर ÷हम लौटेंगे नन्हे पांव- अपनी मिट्टी अपने गांव÷ का अतिथियों ने विमोचन किया। इस मौके पर डिप्टी कलेक्टर श्रीमती जूही गर्ग भी उपस्थित थी। ब्रोशर में जिले के सांस्कृति, आध्यात्मिक एवं ऐतिहासिक चेतना के केन्द्र प्रसिद्ध मंदिर किले, उद्यान, मकबरे, दरगाह आदि का उल्लेख किया गया है। साथ ही जिला पर्यटन एवं संवर्धन परिषद द्वारा की जाने वाली अन्य गतिविधियों की भी जानकारी दी गई।

पीपीएल अपने पूरे शबाब पर, लुप्त उठाने पहुंच रहे जनप्रतिनिधि, गौतम ग्रुप की व्यवस्थाएं देख कर हुए गदगद

आज क्रिकेटर सिंधु की आवाज लेकर डॉक्टर चंचल पहुचेंगे

माही की गूंज, पेटलावद।

उत्कृष्ट स्कूल मैदान पर खेली जा रही गौतम ग्रुप ट्राफी को लेकर उत्साह चरम पर पहुच गया है। पीपीएल क्रिकेट देखने के लिए दर्शको की भीड़ उमड़ रही है, रविवार से शुरू हुए पीपीएल में बुधवार तक रोमांचक मुकाबले में फिर से उलटफेर देखने को मिला। लगातार दो मैच जीतने वाली भंडारी 11 अपना तीसरा मैच हार गई, तो टूर्नामेंट में कमजोर मानी जा रही ब्लेक पैंथर ने अपने प्रर्दशन से सबको चौक दीया। ब्लेक पैंथर टूर्नामेंट की एक मात्र टीम है जिसको अब तक हार का सामना नही करना पड़ा है ओर लगातार 4 मैंच जीतने के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गई। सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जरूरी 4 मैंच ब्लेक पैंथर ने जीतकर लगभग अपना स्थान पक्का कर लिया है। वही टूर्नामेंट को दो टीम निमजा ब्लास्टर और युवा 11 पर प्रतियोगिता से बहार होने का खतरा मंडरा रहा है, जो अब तक खेले अपने चारो मैच गवा चूकि है। बुधवार को खेले गए मुकाबलों में फाइटर 11, पीएनपी स्टार्स, ब्लेक पैंथर और भंडारी 11 ने अपने-अपने मुकाबले जीत कर अपना दावा मजबूत किया। वही क्रिकेट का बुखार धीरे-धीरे बढ़ता जा रहा है और रोज जनप्रतिनिधि यहां पहुच कर क्रिकेट का आनंद ले रहे है। आयोजन में गौतम ग्रुप की ओर से आयोजित स्थल पर की गई व्यवस्था को देख कर सभी जनप्रतिनिधियों ने उनकी सराहना की, मंगलवार को युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष भानु भूरिया, थांदला मण्डल के अध्यक्ष गोलू उपाध्याय, मीडिया प्रभारी ओमप्रकाश राठौड, मण्डल उपाध्यक्ष प्रदीप काग, भाजपा मंडल के दीपक राठौर, शहर कांग्रेस अध्यक्ष जीवन ठाकुर सहित कई नेता क्रिकेट का आनंद लेने पहुचे।

कामेंट्री के लिए पहुचेंगे सिंद्धु

आयोजन को और भी रोचक बनाने के लिए आज पेटलावाद में मशहूर कॉमेटर सिद्धु की आवाज में कॉमेंट्री करने वाले रतलाम जिले के डॉक्टर चंचल आएगे, जिनकी आवाज ओर कॉमेंट्री आकर्षक का केंद्र रहेगी। टूर्नामेंट का समापन रविवार को होना है, जिसे भव्य बनाने के लिए अभी से तैयारियां शुरू हो गई है। टूर्नामेंट में यश रामावत, भरत चौधरी, अनिल चौधरी, अर्पित मालवीय द्वारा शानदार कॉमेंट्री से क्रिकेट का प्रसारण दर्शकों तक पहुचा रहे है।

पृष्ठ एक का शेष... मोबिलाइजर बनने के लिए रिकॉर्ड में भी कर दी हेरा-फेरी.... निर्वाचन नामावली में भी की गई धांधली

मोबिलाइजर पद के लिए आवदकों ने मतदाता सूची में भी हेरा-फेरी करने से भी गुरेज नही किया। शिकायतकर्ता ने बताया कि, अभ्यर्थी नाम निर्वाचन नामावली में विधानसभा क्षेत्र 202 बदनावर, अनुभाग ग्राम मुलथान (मजरा उण्डवा) के क्र. 190 इपिक नम्बर एक्सएससी1256668 रविना पिता कैलाश मुनिया के नाम से दर्ज होकर वोटर आईडी भी इसी नाम से है, उसके बाद भी फर्जी तरिके से जानकारी को छुपाते हूए पेटलावद विधानसक्षा क्षेत्र 195 मे अपना नाम मतदाता सूची क्र. 1095 मे दर्ज किया जिसका इपिक नम्बर झेडवीएन5266804 है। एक ही व्यक्ति के दो जगह वोटर आई.डी. बनी तथा एक तरफअपने पिता के नाम से बनी तथा दुसरी तरह नौकरी पाने के लिए पेटलावद विधानसक्षा क्षेत्र मे पति रघुनाथ के नाम से फर्जी तरिके वोटर आई.डी बनाई, जो जांच का विषय है। वही कुपन मे भी अपना नाम दर्ज करवाकर, बीपीएल क्रमांक 85001 का 18 अप्रैल 2013 का बना, उसमे किस आधार पर अपना नाम दर्ज करवा लिया गया यह तो जांच में ही पता चलेगा, पर बीपीएल राशनकार्ड में नया नाम जोड़ने का सीधा-सीधा अधिकार ग्राम पंचायत को नही है। अभ्यर्थी द्वारा गलत लाभ पाने के लिए कुटरचित दस्तावेज तैयार किया गया यह स्पष्ट हो रहा है।

बदनावर कॉलेज में रेगुलर छात्रा सौ कि.मी. दूर रामा की संस्था में कर रही थी कार्य आखिर कैसे?

अभ्यर्थी रवीना द्वारा आवेदन-पत्र के साथ 2019 की फाईनल इयर मे रेगुलर अध्यनरत थी, जो अध्ययनरत रहने के दौरान ही उसके द्वारा जो अनुभव प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया गया, वह शंकुतला समाज सेवी संस्था म.प्र. ग्राम कोकवड रामा मे 15 जनवरी 2018 से 25 फरवरी 2020 तक महिला सशक्तिकरण परियोजना मे महिला प्रेरक पद पर कार्य करने का दो वर्ष का अनुभाव प्रमाण-पत्र प्रस्तुत किया। अब बड़ा सवाल ये खड़ा होता है कि, जो महिला जिन वर्षो में बदनावर के कॉलेज में रेगुलर पढ़ाई कर रही थी, उस समय उसने सौ कि.मी. दूर आकर प्रतिदिन एक संस्था के माध्यम से प्रेरक का कार्य कैसे किया? एक ही व्यक्ति दो जगह नियमित कैसे रह सकता है? सम्भव है अभ्यर्थी द्वारा अनुभव के अंक प्राप्त करने के लिए फर्जी तरीके से अनुभव प्रमाण-पत्र प्राप्त किया। अनुभव प्रमाण-पत्र मे 25 फरवरी 2020 तक रविना पिता कैलाश मुनिया निवासी ग्राम उण्डवा ब्लाक बदनावर जिला धार का बना, तो 1 जनवरी 2020 मे किस आधार पर उसकी मतदाता आईडी रविना पति रघुनाथ के नाम से पेटलावद विधानसभा की बनी जो चुनाव आयोग के लिए भी जांच का विषय है।

खाटू श्याम की निशान यात्रा व कीर्तन संपन्न

माही की गूंज, शुजालपुर।

शुजालपुर में हारे का सहारा खाटू श्याम हमारा के जयकारा लगाते हुए निशान यात्रा दुर्गा मंदिर शुजालपुर मंडी से शुरू होकर एमजी मार्ग, रोकडिया सरकार, श्रीनगर कॉलोनी, बस स्टैंड होती हुई रेलवे फाटक के पास पंचवटी परिसर में आरती के साथ संपन्न हुई। रात आठ बजे खाटू श्याम जी का भव्य कीर्तन पंचवटी परिसर शुजालपुर मंडी में संपन्न हुआ, जिसमें खाटू श्याम जी की जोत भव्य श्रृंगार, फूल बरसा के साथ भक्तजन भजन गाते हुए नजर आए। धौलपुर के देवेंद्र सिंह ने शुरुआती भजन में खाटू श्याम जी के कीर्तन किए, मक्सी के कपिल सोनी तथा भोपाल से निशा द्विवेदी ने अपने अरदास कीर्तन में बाबा श्याम को रिझाया। पूरे कार्यक्रम में श्याम प्रेमी नाचते गाते नजर आए, शुजालपुर में सभी श्याम प्रेमियों ने उक्त कार्यक्रम की तैयारी के लिए दिन-रात मेहनत की तथा कार्यक्रम में आसपास के करीब सौ गांवों के श्याम भक्तों ने खाटू श्याम जी के भजन का आनंद लिया। खाटू श्याम जी का भव्य श्रृंगार साथ में हनुमान जी व गणेश जी का भी श्रृंगार किया गया, उक्त कार्यक्रम की शुजालपुर शहर के सभी नागरिकों ने प्रशंसा की है। कार्यक्रम में शाम भक्तों द्वारा चाय का स्टाल लगाया गया, तथा कार्यक्रम में पुष्प वर्षा की गई जिससे बाहर से आए कलाकारों का हौसला बढ़ सके। कहते हैं कलयुग में खाटू श्याम जी ऐसे देव हैं जो अपने भक्तों की सभी मनोकामना को पूरी करते हैं श्याम भक्तों द्वारा रात बजे तीन बजे तक भजन कीर्तन गाते रहे उसके बाद खाटू श्याम जी की आरती की गई।

आम करे तो गुनाह और खास करें तो बेगुनाह

माही की गूंज, खवासा(झाबुआ) विजय पाटीदार

यह बात तो सही है कि, अगर कोई आम आदमी छोटा-बड़ा कोई काम करे तो भी गुनाह होता है पर कोई खास व्यक्ति बड़ा गुनाह करे तो भी वह बेगुनाह होता है, यह बात 8 वे लेन मे किए जा रहे कार्य में खुलेआम देखा जा सकता है, जहां की परमिशन नहीं है वहां पर पूरे सेटलमेंट के साथ जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी के कर्मचारी, कंपनी के निर्देशन में मोरम-मिट्टी, पहाड़ी की पहाड़ी पोकलेन मशीनों से खुदाई कर डम्फ्रो से लाखों घन मीटर मोरम जिस स्थान की परमिशन नहीं है वहां की खुदाई कर प्रतिदिन ढो रहे हैं। परंतु राजस्व विभाग व खनिज विभाग इस और किसी प्रकार की कोई कार्रवाई नहीं कर रही है। इतना ही नहीं शिकायत होने के बाद अधिकारी यदा-कदा पहुच भी जाते हैं तो मौके पर चल रहे डम्पर व पोकलेन मशीन को न ही जप्त करते हैं न ही किसी प्रकार की कोई कार्रवाई और न ही कोई जुर्माना करते हैं।

सेटलमेंट के साथ जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी कर रही अवैध खनन

वही अगर क्षेत्र में कोई अपने मकान, दुकान बनाते समय मोरम की खुदाई कर अपना काम करते हैं तो अधिकारी शिकायत पर मौके पर पहुंचते हैं, वरन् उनके ट्रैक्टर, जेसीबी आदि संसाधन कार्रवाई के नाम पर जप्त कर पेनाल्टी देने में कोई कोताहि नहीं बरतते हैं, पर खास यानी बड़ी नामी-ग्रामी जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी खुल्ले आम सेटलमेंट के साथ बड़े रूप से अवैध खनन कर रही है, पर उसे बेगुनाह मानकर कोई कार्रवाई उनके विरूद्ध नहीं की जा रही है।

बता दें कि, जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी क्षेत्र में एक अनोखा सेटलमेंट कर अवैध खनन कर रहा है, जिसमें किसी खेत के आगे कोई पहाड़ी हो तो पडोसी खेत मालिक से सेटलमेंट करते हैं कि, उक्त पूरा मोरम उनके संसाधनों से खुदाई कर पहाड़ी को समतल कर पड़ोसी खेत मालिक के लिए खेती जैसी जमीन मिट्टी डालकर बना देने की बात करते है।

इसी सेटलमेंट के साथ भामल के मादलदा मार्ग पर हजा बाबजी के मंदिर के आगे बहादुर गरवाल के खेत के आगे एक टेकरी को कुछ दिनों से पोकलेन से खुदाई कर उसे समतल किया जा रहा था और उक्त अवैध मोरम को खुदाई कर 8 लेन में चल रहे कार्य में उपयोग किया जा रहा था, जिसकी ग्रामीणों ने अधिकारियों को शिकायत की। शिकायत के बाद 8 फरवरी को थांदला तहसीलदार शक्तिसिंह चौहान मौके पर पहुंचे पर ना ही साहब ने कोई कार्रवाई की ना ही कार्रवाई के रूप में पोकलेन व मौके पर मोरम ढो रहे 3 डम्फ्रों को जप्त किया और ना ही अभी तक कोई पेनल्टी दी गई।

साहब शक्ति सिंह अपने पांवर की शक्ति सिर्फमौके पर एक-दो लोगों से गांव व मोहल्ला कौन सा है पूछताछ कर रवाना हो गए।

जब माही की गूंज ने मामले के एक सप्ताह के बाद मंगलवार को 9977009705 पर जानकारी लेना चाहि तो तहसीलदार शक्तिसिंह की शक्ति ट्रूकॉलर पर माही की गूंज देखकर ही छिन्न-भिन्न हो गई। नतीजन एक नहीं एक से अधिक बार फोन लगाने पर भी आवाज नहीं आ रही कह दिया और आखरी में भी आपकी आवाज नहीं आ रही है आप फोन मत लगाओ कह दिया।

बता दें कि, उक्त मामला सार्वजनिक हो गया था और तहसीलदार के पहुंचने के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं होने पर कई तरह की बातें क्षेत्र में तहसीलदार साहब को लेकर कहीं जा रही थी, और कहा जा रहा कि, आम करे तो गुनाह, कोई खास करे तो अधिकारियों की नजर में ले-देकर बेगुनाह हो जाता है और यह बात तहसीलदार साहब तक पहुंचने के बाद माही की गूंज को जानकारी देने से बचने के लिए एक से अधिक बार फोन करने के बाद भी साहब आवाज नहीं आ रही है कहते रहे।

तालाब बनाने के नाम पर भी करते है सेटलमेंट

जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी इसी तरह क्षेत्र में आरईएस विभाग के अघोषित पेटी कांट्रेक्टर महेश चौहान से भी सटलमेंट किया और तेजपुरा में जीआर इंफ्रा प्रोजेक्ट कंपनी को अवैध खनन में मदद की ओर मदद के बदले आरईएस विभाग के तालाब बनाने वाला अघोषित ठेकेदार उर्फ़ पेटी कांट्रेक्टर महेश चौहान ने अपने आरईएस विभाग के तालाब को उनकी पोकलेन व डम्फ्रों के उपयोग कर तालाब बिना खर्चे में ही बनवा लिए और आरईएस विभाग से तालाब बनवाने का खर्च आहरण करने की तैयारी कर रहे हैं।

कलेक्टर ने देखी आंगनवाड़ियों की परियोजनावार रिपोर्ट कार्ड

माही की गूंज, खरगोन।

स्वामी विवेकानंद सभागृह में बुधवार को कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी ने महिला एवं बाल विकास विभाग की आंगनवाड़ियों की परियोजनावार रिपोर्ट कार्ड देखे। जिले की सभी आंगनवाड़ियों में आने वाले बच्चों के स्वास्थ्य और उनके विकास को लेकर विभिन्न गतिविधियों की समीक्षा करते हुए गंभीर कुपोषित से मध्यम कुपोषित और फिर सामान्य में बच्चों को लाने के लिए आंगनवाड़ी केंद्रवार की जाने वाली कार्ययोजना के बारे में निर्देश दिए। परियोजनावार की गई समीक्षा में समस्त सीडीपीओ और जिले की सभी सुपरवाईजरों के साथ बैठक हुई।

प्रगति नहीं लाने पर जारी होगा नोटिस

बैठक के दौरान कलेक्टर अनुग्रहा ने कार्यक्रम अधिकारी शर्मा को निर्देश दिए कि, 100 प्रतिशत फालोअप गंभीर कुपोषित से मध्यम कुपोषण और सामान्य कुपोषण में प्रगति नहीं लाने पर पर्यवेक्षकों को शौकॉज जारी किया जाएं। इसके अलावा लाडली लक्ष्मी योजना में लक्ष्य पूरा नहीं करने वाले पर्यवेक्षकों को भी नोटिस जारी करें। साथ ही बच्चों को सामान्य स्तर पर लाने के लिए विभाग द्वारा तय कार्ययोजना के अनुरूप मार्च तक प्रगति हर हाल में लाई जाएं। पूर्व से चिन्हांकित हर बच्चें का 12 फालोअप के बाद बदलाव की रिपोर्ट भी पृथक से प्रस्तुत करें। मार्च में पुनः रिपोर्ट कार्ड देखे जाएंगे।

सांसद ने अपने जन्मदिवस पर कोरोना योद्धाओं का किया शाल श्रीफल से सम्मान

माही की गूंज, बड़वानी। सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने अपने जन्मदिन पर कालिका माता मंदिर बड़वानी में पूजा कर क्षेत्रवासियों की सुख, समृद्धि व खुशहाली की कामना की। तत्पश्चात उन्होंने कोरोना जैसी वैश्विक महामारी के दौरान निःस्वार्थ भाव से सेवाएं देने हेतु नगरपालिका कर्मचारियों का शाल-श्रीफल व अभिनंदन पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान सांसद ने जिला चिकित्सालय में कोरोना काल के दौरान सेवा देने वाले कर्मियों का भी सम्मान शाल श्रीफल एवं अभिनंदन-पत्र देकर किया।

रसोई केंद्र पहुंचकर किया निःशुल्क भोजन वितरण

सांसद गजेंद्र सिंह पटेल ने अपने जन्म दिवस के अवसर पर लायंस क्लब द्वारा संचालित दीनदयाल रसोई केंद्र पहुंचकर गरीबों, निःसहाय लोगों को अपने हाथों से भोजन भी वितरित किया।

सड़क सुरक्षा माह का हुआ समापन

माही की गूंज, बड़वानी। जिले में मनाए जा रहे 32 सड़क सुरक्षा माह का समापन बुधवार को पुलिस कंट्रोल रूम बड़वानी में पुलिस अधीक्षक निमिष अग्रवाल की उपस्थिति में किया गया। कार्यक्रम के दौरान यातायात जागरूकता गतिविधियों में सहभागिता करने वाले शहर के गणमान्य नागरिक रोटरी क्लब, लायंस क्लब, जिले के शासकीय एवं प्राइवेट स्कूल एवं महाविद्यालय, हीरो शोरूम, बजाज शोरूम, टीवीएस शोरूम, होंडा शोरूम, चोलामंडलम के सदस्य, डॉ पहाड़िया एवं उनकी टीम, चाइल्डलाइन अंजड, मनोरम ग्राफिक्स, भारत टेंट, एनएसएस के सदस्य, पैरा लीगल वालंटियर, सरस्वती इलेक्ट्रॉनिक, परफेक्ट प्रिंटर एवं डिजिटल वैन, नुक्कड़ की टीम, क्विज काम्पीटीशन में भाग लेने वाले छात्र-छात्राओं, बिहारी होटल के सदस्यों को पुलिस अधीक्षक द्वारा सम्मानित किया गया। थाना प्रभारी यातायात गिरीश कुमार ने सड़क सुरक्षा माह के दौरान यातायात जागरूकता के दौरान चलाई गई गतिविधियों के बारे में विस्तार से बताया साथ ही यातायात नियमों की जानकारी दी गई।

कैबिनेट मंत्री श्री पटेल का दौरा आज

माही की गूंज, बड़वानी।

प्रदेश के पशुपालन, डेयरी, सामाजिक न्याय एवं निःशक्तजन कल्याण विभाग के मंत्री एवं बड़वानी के विधायक प्रेमसिंह पटेल आज प्रातः 11 बजे कलेक्टर कार्यालय बड़वानी में पंचवर्षीय कार्ययोजना हेतु आयोजित बैठक में भाग लेने के पश्चात् दोपहर 3 बजे ग्राम बोरलाय में जाएगे। वहां मंत्री श्री पटेल पक्का चबूतरा निर्माण, अनाज भण्डारण निर्माण कार्य का भूमि पूजन करेंगे। दोपहर साढ़े 4 बजे मंत्री श्री पटेल ग्राम तलवाड़ा बुजुर्ग पहुंचकर पक्का चबूतरा निर्माण, अनाज भण्डारण निर्माण कार्य का भूमि पूजन करेंगे।

नुक्कड़ नाटक के माध्यम से यातायात के प्रति लोगों को किया जागरूक

माही की गूंज, खरगोन। नेहरू युवा केंद्र द्वारा परिवहन एवं यातायात विभाग के समन्वय से बुधवार को स्थानीय महाविद्यालय के सामने केंद्र के स्वयंसेवकों द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से लोगों को यातायात के प्रति जागरूक किया। इस दौरान लोगों को यातायात के नियम समझाएं एवं उनका पालन किस तरह किया जाता है, के बारे में बताया। इस अवसर पर परिवहन अधिकारी श्रीमती बरखा गौड़, यातयात प्रभारी मुकेश हायरी उपस्थित रहे।

नर्मदा जयंति पर कसरावद व बड़वाह अनुभाग में रहेगा अवकाश

माही की गूंज, खरगोन। शुक्रवार 19 फरवरी को नर्मदा जंयती के अवसर पर कसरावद एवं बड़वाह अनुभाग में पूर्ण दिवस का अवकाश रहेगा। यह अवकाश कलेक्टर श्रीमती अनुग्रहा पी द्वारा वर्ष 2021 में जिले के लिए घोषित किए गए अवकाशों में से एक है। यह अवकाश बैंक एवं कोषालयों पर लागू नहीं होंगे।

कपास का अधिकतम भाव रहा 6 हजार 501 रूपए

माही की गूंज, खरगोन।

बुधवार को स्थानीय कपास मंडी में 245 वाहन एवं 40 बैलगाड़ी कपास नीलामी के लिए आई। खरगोन मंडी सचिव रामवीर किरार ने बताया कि, कपास का अधिकतम भाव 6 हजार 501 रूपए, न्यूनतम भाव 4 हजार 600 रूपए व औसत भाव 5 हजार 600 रूपए रहा। इसके अलावा खरगोन अनाज मंडी में गेहूं का अधिकतम भाव 1 हजार 788 रूपए, न्यूनतम भाव 1 हजार 655 रूपए व औसत भाव 1 हजार 730 रूपए रहा। वहीं चना का अधिकतम भाव 4 हजार 686 रूपए, न्यूनतम भाव 4 हजार 346 रूपए व औसत भाव 4 हजार 440 रूपए रहा। जबकि मक्का का अधिकतम भाव 1 हजार 311 रूपए, न्यूनतम भाव 1 हजार 75 रूपए व औसत भाव 1 हजार 230 रूपए, तुअर का अधिकतम भाव 6 हजार 652 रूपए, न्यूनतम भाव 5 हजार 856 रूपए व औसत भाव 6 हजार 370 रूपए, सोयाबीन का अधिकतम भाव 4 हजार 971 रूपए, न्यूनतम भाव 4 हजार 711 रूपए व औसत भाव 4 हजार 850 रूपए एवं सरसों का अधिकतम भाव 5 हजार 77 रूपए, न्यूनतम भाव 4 हजार 800 रूपए व औसत भाव 4 हजार 901 रूपए रहा।

जन जागरूकता के लिए रैली का आयोजन किया गया

माही की गूंज, झाबुआ। स्वच्छ सर्वेक्षण 2021 अभियान अंतर्गत झाबुआ नगर पालिका द्वारा कलेक्टर रोहित सिंह के निर्देशन में जन जागृति अभियान चलाया गया। जिसमें सोमवार को वार्ड क्रमांक 2 तथा 3 में रैली निकाल कर वार्डो में नागरिकों को शपथ दिलाई गई और विशेष सफाई अभियान चलाया गया। जिसमें नगरपालिका अध्यक्ष मन्नू बेन डोडियार, उपाध्यक्ष रोशनी डोडियार, मुख्य नगरपालिका अधिकारी एलएस डोडिया, स्वास्थ्य अधिकारी युनुशद्दीन कुरैशी, स्वच्छता निरीक्षक कमलेश जायसवाल, सहायक स्वच्छता निरीक्षक टोनी मालिया, पंकज सोलंकी, आशिष भाभर, रवि सुनिल, रितेश, रमेश, महेश, कन्हैया उपस्थित थे। मुख्य नगरपालिका अधिकारी डोडिया ने अवगत कराया कि यह कार्यक्रम 4 मार्च तक नगर के समस्त वार्डो में चलाया जाएगा। साथ ही नगर के नागरिकों से अपील की है कि नगर को साफतथा स्वच्छ बनाने में सहयोग करें। गीला कचरा, सूखा कचरा अलग-अलग दें। सड़कों और नालियों में न डाले और अर्थदण्ड से बचें।

गोपालपुरा पंचायत में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजित किया गया

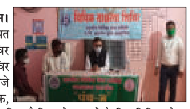

माही की गूंज, खरगोन। बुधवार को गोपालपुरा पंचायत में विधिक साक्षरता शिविर आयोजित किया गया। शिविर को संबोधित करते हुए एडीजे सुभाष सोलंकी ने कहा कि, युवा पीढ़ी के प्रति हमारा यह दायित्व है कि प्रत्येक बच्चे के लिए विधिक सेवा सहित सभी अवसर खोले जाएं, ताकि उनके व्यक्तित्व का समग्र विकास हो सके, साथ ही उनकी क्षमता का शारीरिक, मानसिक, नैतिक व आध्यात्मिक विकास हो। हमारे संविधान निर्माता इस तथ्य के प्रति अच्छी तरह जागरूक थे कि, राष्ट्र का विकास उस राष्ट्र के बच्चों के विकास से ही संभव है। उन्होंने कहा कि, नालसा वरिष्ठ नागरिकों के लिए विधिक सेवा अंतर्गत आज के युग में बुढ़ापा एक बहुत बड़ी चुनौती बन चुकी हैं इसलिए इस अवस्था में जीने वाले नागरिकों की सेवा और सुरक्षा पर ध्यान देने की आवश्यकता है। शिविर में पंचायत की प्रधान कांताबाई जमरे, सचिव रणछोड़ पंचोले सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व पैरालिगल वालेंटियर उपस्थित रहे।

स्कूलों और कॉलेजों में सरस्वती वंदना अनिवार्य की जाए

माही की गूंज, झाबुआ। बसंत पंचमी की पूर्व संध्या पर विकलांग केंद्र प्राथमिक रंगपुरा और आदर्श आंगनवाड़ी रंगपुरा में मां शारदा की पूजा-अर्चना की गई। इस अवसर पर साहित्यकार डॉ. रामशंकर चंचल ने प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी शाला को मं सरस्वती का चित्र भेंट किया। संस्था के प्रभारी शैलेन्द्र राठौर, शाहनाज खान, रामबहादुर पटेल, क्रिस्टीना मंडोडिया को चित्र भेंट करते हुए डॉ. चंचल ने कहा कि मूझे बहुत दुःख होता है कि विद्या मंदिर में आज कई स्थानों पर मां शारदा का चित्र तक देखने नहीं मिलता हैं। शासन को चाहिए कि मां शारदा का चित्र और मां की वंदना सभी स्कूलों और कॉलेजों में अनिवार्य की जाए। डॉ. चंचल ने और भी कुछ चित्र अन्य शालाओं को भेंट किए। इस अवसर पर साहित्य अकादमी पाठक मंच संयोजक भेरूसिंह चौहान भी थे। अंत में शाला प्रभारी शेलेन्द्र राठौर ने आभार माना।

आज होगा ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर ब्याजमुक्त ऋण वितरण कार्यक्रम का आयोजन

माही की गूंज, खरगोन। आज दोपहर 12 बजे ग्रामीण स्ट्रीट वेंडर ब्याजमुक्त ऋण वितरण कार्यक्रम आयोजित होगा। इस दौरान भोपाल से मुख्यमंत्री शिवराजसिंह चौहान के संबोधन का सीधा प्रसारण भी दिखाया जाएगा। इस संबंध में जिला पंचायत सीईओ गौरव बेनल ने सभी जनपद पंचायत सीईओ व आजीविका मिशन के विकासखंड प्रबंधकों को पत्र जारी किया है। उन्होंने कहा कि, ग्राम स्तर पर आयोजित होने वाले कार्यक्रम में स्थानीय जनप्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया जाएं।

झणिया निरीक्षक के पद पर नियुक्त

माही की गूंज, झाबुआ। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास एनएस रावत ने पूर्व में जारी नियुक्ति आदेश में आंशिक संशोधन किया है। सम्पूर्ण जिले में गुण नियंत्रण दल के साथ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी खण्ड झाबुआ मुकेश झणिया को निरीक्षक नियुक्त किया है। झणिया सम्पूर्ण जिले के अंतर्गत उर्वरक, बीज, कीटनाशक विक्रेता फर्म परिसरों का निरीक्षण, विशलेषण के लिए नमूने लेने और अनियमितता पाए जाने पर आवश्यक कार्यवाही कर सकेगें।

जनपद स्तरीय रोजगार मेलों के लिए तिथियां निर्धारित

माही की गूंज, झाबुआ। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत सिद्धार्थ जैन ने आत्म निभर्र मध्यप्रदेश के निर्माण अंतर्गत शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए रोजगार मेलों की तिथियां निर्धारित की है। जनपद पंचायत पेटलावद के लिए 22 फरवरी को, थांदला तथा मेघनगर जनपद पंचायत के लिए 23 फरवरी को, झाबुआ तथा रामा जनपद पंचायत क्षेत्र के लिए 5 मार्च को और राणापुर जनपद पंचायत क्षेत्र के लिए 6 मार्च को जनपद स्तरीय रोजगार मेलों का आयोजन रखा गया है। यह रोजगार मेले जनपद पंचायत मिटिंग हॉल पेटलावद, थांदला, रामा, तथा राणापुर में रखे गए है। यह रोजगार मेले प्रातरू 11 बजे से सायं 4 बजे तक रहेगें।

स्कूल प्रशासन की मनमानी पर विद्यार्थी परिषद ने स्कूल परिसर में करी भारत माता की आरती

माही की गूंज, भीकनगांव।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने सेंट मेरी स्कूल प्रशासन के तानाशाही रवैये व फीस को लेकर मनमानी के खिलाफ मोर्चा खोल रखा हैं। लगातार 12 दिनो से चल रहे स्कूल प्रशासन के खिलाफविरोध प्रदर्शन के बाद मंगलवार को स्कूल प्रागण में भारत माता की आरती कर के स्कूल प्रशासन के खिलाफविरोध प्रदर्शन किया गया। अभाविप के अरविंदसिंह राजपुत ने बताया कि, सेंट मेरी स्कूल प्रशासन के लिए सोमवार को सदबुद्धि यज्ञ किया था जिसके बाद भी स्कूल प्रशासन में सद्बुद्धि नहीं आई जिसके विरोध में अवभाविप ने मंगलवार को स्कूल प्रांगण में भारत माता की आरती की। उक्त आंदोलन में शशांक श्रीवास, अवधेश दिलावरे, कृष्णा जाचपुरे, सानिध्य पारासर, राहुल सनोचिया, गणेश प्रजापत, शुभेन्द्रसिंह, सावन चौहान सहित अनेको कार्यकर्ता उपस्थित थे।

कोविड सेंटर से 10 फिट कि दुरी पर होती थी बच्चो की पढ़ाई

विद्यार्थी परिषद के छात्र नेता अरविंदसिंह राजपूत ने बताया कि, स्थानिय सेंट मेरी स्कूल को कोविड सेंटर बनाने के बाद भी वहां से मात्र 10 फिट की दुरी पर स्थित छात्रावास में स्कूल स्टाफव बच्चो की पढ़ाई कराई जा रही थी। जब 9 वी व 10 वी के छात्र-छात्राओ की पढ़ाई की जा रही है तो पहली से 8 वी की आनलाईन पढ़ाई क्यो नहीं कराई गई ये सोचनीय विषय हैं। साथ ही जब पढाई नहीं कराई गई तो फिस किस बात कि दी जाए।

8 दिन हो गए जांच दल को गठित किए, अभी तक नहीं हुई कार्रवाई

एसडीएम ओमनारायणसिंह ने एक जांच दल का गठन आज से लगभग 8 दिन पूर्व किया था जिसके बाद से दल ने अभी तक कोई भी ठोस कार्रवाई नहीं कि, बार-बार शिकायते व आंदोलन होने के बाद भी प्रशासन ने अभी तक कोई ठोस कदम नहीं उठाना प्रशासन के खिलाफ प्रश्नचिन्ह खड़ा कर रहा हैं।

स्कूल प्रशासन द्वारा मांगे नहीं मानी गई तो होगा ओर उग्र आंदोलन

परिषद के चंदन जायसवाल व कुणाल राठौर ने बताया कि, सेंट मेरी स्कूल के प्राचार्य ने लॉकडाउन के समय 9 महिने पहली से 8वी तक किसी भी प्रकार की आनलाईन क्लास नहीं लगाई गई और पालको पर पूरे 9 माह की फीस भरने का दबाव बनाया जा रहा हैं। जब परिषद के विद्यार्थीयों ने प्राचार्य से बात करने जाते है तो स्कूल प्रशासन द्वारा उनसे अभद्रपूर्ण व्यवहार किया जाता हैं और स्कूल प्राचार्य द्वारा बात तक नहीं की जाती हैं। यदि स्कूल प्रशासन द्वारा मांगे जल्द नहीं मानी गई तो परिषद द्वारा स्कूल प्रशासन के खिलाफओर उग्र आंदोलन करेगे।

मामले में एसडीएम ओमनारायणसिंह का कहना है कि, स्कूल प्रशासन को बुलाया गया था तथा महत्वपूर्ण जानकारी मांगी गई, जांच दल को उक्त जानकारी भेजी गई है जल्द ही कार्रवाई की जावेगी।

अतिक्रमण की जमीन पर दुकान व होटल बनाकर अवैध गतिविधि करने वालों के ध्वस्त हुए मनसूबे

माहीकी गूंज, बड़वानी।

जिले में चल रहे सुशासन अभियान के तहत जिला प्रशासन ने नए बस स्टेण्ड के पास शासकीय भूमि पर जबरन कब्जा कर, दुकान बनाकर अवैध गतिविधियां संचालित करने वालों के मनसूबे इन दुकानों को तोड़कर ध्वस्त कर दिया है। मंगलवार को हुई इस कार्रवाई में लगभग एक एकड़ भूमि मुक्त कराई गई जिसका बाजार मूल्य कलेक्टर गाइडलाईन के हिसाब से लगभग 20 करोड़ रुपए आंका गया है।

प्रशासन ने यह कार्रवाई सतत् मिल रही अवैध गतिविधियां संचालित होने पर संबंधित 15 से अधिक दुकानदारों को शोकाज नोटिस जारी कर, वैध दस्तावेज चाहे थे। किन्तु किसी भी दुकान का वैध दस्तावेज नही पाए जाने पर प्रशासन ने उक्त दुकानों को ध्वस्त कर दिया।

वहीं पुलिस अधीक्षक निमिष अग्रवाल ने जिला के समस्त गुंडे बदमाशों की एक सूची तैयार करवाई है जिसमें उन्होंने अवैध रूप से जमीन पर कब्जा कर अवैध रूप से निर्माण एव कमाई कर रहे गुंडे बदमाशों के नाम हैं, ऐसी सूची समस्त एसडीएम को उपलब्ध कराई गई है। उपरोक्त के आधार पर पाया गया कि, शहर के बस स्टैंड पर थाना बड़वानी के गुंडा बदमाश प्रवीण यादव ने अवैध रूप से आशियाना होटल निर्माण कर अवैध शराब बेची जा रही है। प्रवीण यादव के खिलाफथाना कोतवाली में मारपीट, गाली-गलौज, धमकाने सहित कुल 10 अपराध पंजीबद्ध है। इसी प्रकार उमेश मालवीय ने अवैध रूप से मालवीय ढाबा संचालित कर शराब बेची जा रही है, उमेश मालवीय के खिलाफ थाना बड़वानी में अवैध रूप से शराब बेचने के 17 प्रकरण पंजीबद्ध है 16 मामलों में उमेश मालवीय माननीय न्यायालय के द्वारा दंडित किया गया है। नवरंग ढाबे के संजय चौहान के खिलाफ आबकारी अधिनियम सहित अन्य धाराओं के कुल 5 अपराध पंजीबद्ध है। इन सभी अपराधी किस्म के लोगों की होटलों को ध्वस्त कर दिया गया है और सभी होटलों की कीमत करीब 35 से 40 लाख रुपए होगी एसपी निमिष अग्रवाल ने बताया कि, इस प्रकार अवैध कमाई से अर्जित संपत्ति तोड़ दी जावेगी।

अतिक्रमण मुहिम के नाम पर चांदी झाड़ते हैं अधिकारी, बिना नोटिस के छोटे दुकानदारों पर की कार्रवाई

गूंज में प्रकाशित समाचार के बाद सीएमओ डेढ़ माह पूर्व दिए कुछ नोटिस का हवाला देकर अपनी दे रहा सफाई

माही की गूंज, अलीराजपुर। संजय गेहलोद

प्रदेश में चल रही अतिक्रमण मुहिम में चलते सोमवार को कलेक्टर सुरभी गुप्ता ने अलीराजपुर नगर में एक सिरे से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। निर्देश पाते ही कार्रवाई के नाम पर अपनी सक्रियता के साथ कलेक्टर के सामने अपनी वाहवाही लूटने के उद्देश्य के साथ मंगलवार को ही बिना किसी को सूचना दिए ही सुबह से नपा सीएमओ अमरदास सेनानी, तहसीलदार केएल तिलवारे, आरआई वसुनिया, पटवारी किशोर बैरागी के साथ पुलिस अमला पूरे संसाधनों के साथ बस स्टैंड के उमराली मार्ग, असाडपुरा मार्ग आदि स्थान पर लगी गुमटीयो, दुकाने व छज्जे को हटाए और तोड़े गए। बुनियादी स्कूल के आस-पास की गुमटिया एवं अतिक्रमण को हटाया गया, बस स्टैंड पर बने पक्के ओटले व चढ़ाव को भी जेसीबी से तोड़ दिया गया। उक्त अतिक्रमण कार्रवाई के दौरान नपा व प्रशासन अमले और छोटे व्यापारी जिनके अतिक्रमण हटाए गए के बीच कहा-सुनी भी हुई। प्रशासन का अमला तिलक मार्ग पर भी गया और दुकानदारों को अतिक्रमण में लगी दुकानों को हटाने के लिए कहा।

प्रशासन के अधिकारियों के सामने वाहवाही लूटने वाली इस सक्रियता रूपी कार्रवाई से हर कोई खफा था। वही हर छोटे दुकानदार ने अतिक्रमण हटाने के दो-तीन दिन पूर्व सूचना दी जाती तो हम हमारी दुकानें बिना किसी नुकसान के साथ हटा लेते कहा। परंतु प्रशासन अतिक्रमण मुहिम व अपने वरिष्ठ अधिकारियों का हवाला देकर एक दिनी अतिक्रमण की सक्रियता दिखाकर छोटे दुकानदारों व बस स्टैंड के आसपास के अतिक्रमण को हटाया गया।

हटाए जा रहे अतिक्रमण का समाचार माही की गूंज में मंगलवार को ही हमारे यूट्यूब न्यूज़ चैनल पर प्रकाशित किया कि, बिना किसी सूचना व नोटिस के ही प्रशासनिक अमला अतिक्रमण हटाने पहुंचा। वास्तविकता पर नपा सीएमओ अमरदास सेनानी ऐसा बौखलाया कि, अपनी सफाई देते हुए अलीराजपुर के माही की गूंज व्हाट्सएप ग्रुप पर सेनानी द्वारा डेढ़ माह पूर्व 28-29 दिसंबर को जारी 27 सूचना-पत्र करीब-करीब सभी उमराली मार्ग पर स्थित चाय-नाश्ता, गुमटी आदि दुकान के अतिक्रमण हटाने हेतु सूचना जारी की जिसमें 24 घंटे के अंदर अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए गए थे, अतिक्रमण नहीं हटाने पर निकाय द्वारा अतिक्रमण हटाने व न्यायालय में प्रकरण दर्ज किया जाएगा कि, पीडीएफ व्हाट्सएप ग्रुप पर डालकर अपनी सफाई देना चाहां कि, नपा द्वारा सभी को सूचना दी गई। जबकि उक्त सूचना दिनांक से 24 घंटे की समयावधि खत्म होने के तीन-चार बाद तक की ओसी प्राप्त है, पत्र में दर्शा रहा है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि, जब डेढ़ माह पूर्व प्रशासन ने नोटिस 24 घंटे के अल्टीमेटम के साथ कुछेक को सुचना दी तो दिए गए समयावधि के दौरान अतिक्रमण क्यों नहीं हटाया गया?

अतिक्रमण मुहिम का विरोध नहीं पर मुहिम के नाम पर चांदी कांटे जाने का विरोध

सामान्यतः अतिक्रमण मुहिम का कोई विरोध नहीं करता है, अगर यह अतिक्रमण मुहिम के तहत एक सिरे से व स्थाई रूप से छोटे अतिक्रमण हटाने के साथ सतत् कार्रवाई कर सभी उन रसूखदारो के भी अतिक्रमण हटाए, जो अपने प्रभाव या अतिक्रमण हटाने की मुहिम का ढकोसला करने वाले अधिकारियों को मोटी रकम देकर अतिक्रमण को नहीं हटाया जाता है।

जिसको देखकर अक्सर अतिक्रमण मुहिम में पक्षपात के रवैये को देखते हुए ही अतिक्रमण मुहिम का विरोध किया जाता है और छोटे व्यापारियों के अतिक्रमण हटाकर अधिकारी अतिक्रमण मुहिम को अवसर बनाकर, बड़े अतिक्रमणकर्ताओं से चांदी काट अपनी कार्य की इतिश्री करते हैं। इसीलिए प्रशासनिक अमले पर मंगलवार को भी नगर के छोटे व्यापारियों का आक्रोश देखा गया, वहीं बुधवार को कोई कार्रवाई अतिक्रमण हटाओ मुहिम के तहत नहीं की गई।

जनचर्चा

उक्त अतिक्रमण की मुहिम पर पूर्व की तरह ही पक्षपातपूर्ण कार्रवाई के साथ अतिक्रमण मुहिम को विराम दे दिया जाएगा इसी चर्चा के साथ, एमजी मार्ग जहां सबसे अधिक अतिक्रमण है जहां पर भी अतिक्रमण हटाओ मुहिम की कार्रवाई होगी या नहीं? की चर्चा है, जहां दिनभर अतिक्रमण के कारण यातायात बाधित होकर जाम की स्थिति बनी रहती है। वही बस स्टैंड के अंदर भी अतिक्रमण किया हुआ है जो भी चर्चा का विषय है।

सीएमओ सेनानी ने बताया, कलेक्टर के निर्देश पर कार्रवाई की गई है जिसकी शुरुआत प्रमुख चौराहे से अतिक्रमण हटाने की की जा रही है, नगर के सभी मार्गो पर शीघ्र ही मुहिम के साथ कार्रवाई की जाएगी। परंतु सीएमओ के कहे अनुसार किस प्रकार की आगे कार्रवाई अतिक्रमण मुहिम के तहत होती है यह भी देखने का विषय रहेगा। वही हटाए गए अतिक्रमणकर्ता शनि राठौर होटल संचालक असाडपुरा मार्ग से बात की तो बताया, रोज कमाकर रोज खाते हैं हमारा ध्यान रखने वाला कोई नहीं है, जिधर अतिक्रमण बड़े रूप में पसरा हुआ है उधर कोई कार्रवाई नहीं की, लेकिन हम गरीब पर ही कार्रवाई की गई है, अब हमारा परिवार का पालन करना भी मुश्किल हो जाएगा।

पान की गुमटी करने वाला व्यापारी अनिल माली असाडपूरा मार्ग, हमें कोई नोटीस या सुचना नहीं दी गई और अचानक प्रशासन के अमले ने हमारी दुकान हटा दी जिससे हम बड़े परेशान हो गए हैं, हमारी दुकान का सामान भी टूट-फूट गया है दो-तीन दिन पूर्व सूचना दे देते तो हम दुकान हटा लेते जिससे हमारा टूट-फूट का नुकसान नहीं होता।

कांग्रेस ने महंगाई का जलाया पुतला

महंगाई पर अंकुश लगाने मे केंद्र सरकार पुरी तरह से विफल-श्री पटेल

माही की गूंज, आलीराजपुर।

केंद्र की मोदी सरकार के राज मे इन दिनो देश की अर्थव्यवस्था वेंटिलेटर पर है, रोजगार सृजन कोमा मे हे, ना नोकरी है ना रोजगार ओर विभिन्न क्षेत्रो मे निजीकरण तथा बढती हुई महंगाई ने यह साबित कर दिया हे कि, भाजपा की केंद्र सरकार ने देश की अर्थव्यवस्था का दिवाला निकाल दिया हे। पेट्रोल-डिजल ओर रसोई गैस के दामो मे बेतहाशा बढोतरी को लेकर देशभर मे चारो तरफ हाहांकार मचा हुआ है, केंद्र सरकार महंगाई रोकने को लेकर पुरी तरह से विफल रही है। बढती हुई महंगाई ने आमजनो की कमर तोड दी है। फिर भी केद्र सरकार आमजनो को कोई राहत नही प्रदान कर रही है। जिसको लेकर देशवासियो मे व्यापक आक्रोश नजर आ रहा है। उक्त बाते जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल ने मंगलवार को जिला कांग्रेस कार्यालय चौराहे पर महंगाई के विरोध मे महंगाई का पुतला दहन करते हुए कही। इस अवसर पर पुर्व जिला कांग्रेस अध्यक्ष राधेश्याम माहेश्वरी सहित बडी संख्या मे कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

नारेबाजी कर मंहगाई का किया विरोध

जिला कांग्रेस मीडिया प्रभारी रफीक कुरैशी ने बताया कि, मप्र कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार पर जिला कांग्रेस द्वारा देश मे पेट्रौल-डिजल, खाद्य तेल ओर रसोई गैस सिलेंडर एवं बढती महंगाई के विरोधस्वरुप कांग्रेसी नेता एवं युवा कार्यकर्ता जिला कांग्रेस कार्यालय पर जमा हुए। जहां अध्यक्ष महेश पटेल के नेत्रत्व मे नारेबाजी करते हुए महंगाई रुपी पुतले का दहन किया गया। इस दोरान कांग्रेसी नेता राधेश्याम माहेश्वरी ने कहा कि, देश मे महंगाई सिर चढकर बोल रही है। आवश्यक वस्तुओ के बढते दामो ने लोगो का बजट गडबडा दिया है, महंगाई के इस दौर मे लोगो का जिना दुर्लभ हो गया है। सरकार को महंगाई से कोई लेना-देना नही है, इस अवसर पर कांग्रेसी नेता जहिर मुगल, दिलीप पटेल, तरुण मंडलोई, सोनु वर्मा, पुष्पराज पटेल, मंसुर मर्चेट, प्रबोध भाटी, चितल पंवार, पिंटु सेन, संजय माहेश्वरी, ईरफान मंसुरी, अंकित माहेश्वरी सहित बडी संख्या मे कार्यकर्ता मौजुद थे।

भंडारी के पुनः चेयरमेन मनोनीत होने पर किया गया सम्मान

माही की गूंज, झाबुआ। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जोबट जिला आलीराजपुर के महत्वपूर्ण चेयरमेन पद पर पुनः झाबुआ जिले के समाजसेवी यशवंत भंडारी को मनोनीत किया गया है। इसके अलावा संस्था की आईएमसी के सदस्यों के रूप में भारतसिंह मोहनिया तथा लीना नागर झाबुआ, बृजेन्द्र चून्नू शर्मा मेघनगर तथा संगीता विजय गांधी जोबट को सम्मिलित किया गया है। इस मनोनयन पर औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान जोबट के प्राचार्य, प्रबंधन तथा समस्त स्टॉफ के साथ जिले की सभी सामाजिक, धार्मिक, रचनात्मक, साहित्यिक, सांस्कृतिक संस्थाओं, विभिन्न समाज के प्रमुखों ने हर्ष व्यक्त किया है। भंडारी को उक्त नए दायित्व के लिए माहिष्मति कला मंच की जिला इकाई झाबुआ द्वारा पिछले दिनों आयोजित काव्य गोष्ठी में पुष्पमाला, शाल ओढ़ाकर तथा श्रीफल भेंटकर सम्मानित किया गया। कला मंच से जुड़े पदाधिकारियों में एमएल फुलपगारे, पीडी रायपुरिया, प्रवीणकुमार सोनी, आदि ने हर्ष व्यक्त किया।

फेरी कर धंधा करने वाले तंबू छोड़कर गायब

माही की गूंज, आम्बुआ। मयंक विश्वकर्मा

आम्बुआ कस्बे से बाहर एक निजी जमीन पर विगत कुछ वर्षों से फेरी कर प्लास्टिक आदि सामान का धंधा करने वाले तंबू लगाकर रह रहे थे वे अचानक से तंबू छोड़कर कहीं चले गए। लोग आश्चर्यचकित हैं कि, वे अचानक सःपरिवार सामान के साथ कहां गायब हो गए।

आम्बुआ कस्बे में भी स्वच्छता अभियान के समय झोपड़पट्टी या तंबू लगाकर प्लास्टिक का सामान फेरी लगाकर ग्रामीण क्षेत्रों में बेचने वालों को प्रशासन की सख्ती के कारण तंबू हटाने पडे। कुछ फेरी वालो ने तंबू के हटने के बाद बाजार में किराए से मकान लेकर धंधा चालू रखा था। इसी बीच कोरोना के कारण लॉकडाउन हो जाने से धंधा व्यवसाय ठप हो गया। जब लॉकडाउन खुला तो कई खेतों में पुनः तंबू लगा दिए गए थे, तथा खुले में शौच कर गंदगी फैलाते हुए स्वच्छता अभियान को ठेंगा बताने लगे। प्रशासन की निष्क्रियता के कारण तंबू बढ़ते गए ओर यह सभी परिवार यहा बस गए। विद्युत विभाग ने अस्थाई बिजली कनेक्शन भी दे दिए। तंबू वालों के व्यवहार से आसपास के परिवार परेशान हो गए थे, क्योकि शाम को नशे की हालत में गाली-गलौज करना, झगड़ा करना खुले में मवेशी को मारवा व मांश का उपयोग करना आदि से ग्रामीण परेशान थे। महेंद्र गुप्ता ने आवेदन 5 जनवरी को जिले में होने वाली जनसुनवाई में कलेक्टर व एसपी को देकर कर्रवाई की मांग की थी, उसके बाद भी कोई कार्रवाई नहीं की गई। मगर पिछले हफ्ते अचानक ही तंबू वाले परिवार अचानक रात्रि में सःपरिवार सामान लेकर गायब हो गए। कस्बे के लोगों को तथा आसपास रहने वालों को आश्चर्य है कि, कोरोनाकाल में यहां धंधा बंद होने के बावजूद रहने वाले कहां गायब हो गए? जितने मुंह उतनी बातें चर्चा का विषय ग्राम व क्षेत्र में बनी हुई है।

भील सेना की पंचायत में दहेज कम लेने का निर्णय, वर पक्ष को इससे राहत मिलने की उम्मीद

माही की गूंज, आम्बुआ। अलीराजपुर-झाबुआ जिला आदिवासी बाहुल्य जिला हैं, जिनमें आदिवासी समाज विशेषकर भील आदिवासी समुदाय में कई कुरीतियां वर्षों से व्याप्त है, उनमें से ही एक है वधू पक्ष द्वारा वर पक्ष से लिए जाने वाला दहेज भी है। जिससे वर पक्ष परेशान होकर कई बार आर्थिक बदहाली का शिकार हो जाते हैं। दहेज रूपी कर्ज उतारते-उतारते जिंदगी का एक बड़ा समय निकल जाता है, इसी दहेज को कम करने हेतु नवगठित महानायक टंट्या भील सेना प्रयासरत है।

भील सेना के जिला अध्यक्ष रमेश बघेल ने बताया कि, विगत महीने भील सेना का गठन किया गया है, जो कि समाज में व्याप्त कई बुराइयों (कुरीतियों) को हटाने का प्रयास करेगा। इसी कड़ी में एक बैठक का आयोजन आम्बुआ में रखा गया जहां पर युवाओं के साथ-साथ कई वरिष्ठ समाज जन उपस्थित हुए। बैठक में सर्वप्रथम समाज में व्याप्त दहेज जो कि चार से पांच लाख तक होता है, वह कम करने का विचार किया जाकर अब दो लाख लिए जाने का निर्णय सर्वसम्मति से हुआ। यह राशि वर पक्ष, वधु पक्ष को देगा इसी राशि में से 1 किलो चांदी के गहने वधू पक्ष अपनी लड़की के लिए खरीदेगा, जो कि लड़की पहनकर ससुराल आएगी। निर्णय में डीजे साउंड जोकि वर पक्ष की बहने, मामा, बुआ तथा वधू पक्ष से भी रिश्तेदार लाते हैं, जिसका खर्च हजारों में होता है जिसपर भी निर्णय लिया गया कि, मात्र एक डीजे बजाया जाएगा जिस कारण पैसे की बचत होगी।

जिले को पोलिथिन मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश

माही की गूंज, झाबुआ। कलेक्टर रोहित सिंह ने जिले को पोलिथिन मुक्त बनाने के लिए विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए। इस संबंध में सभी अनुविभागीय अधिकारियों राजस्व, मुख्य नगरपालिका अधिकारियों तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को पत्र जारी करने के निर्देश दिए है। हॉट बाजारों में पोलिथिन जप्ती की कार्यवाही करने के निर्देश दिए है।

हितग्राही को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत करवाया गृह प्रवेश

दस हजार से अधिक सोण्डवा में बन चुके मकान-श्री ठकराला

माही की गूंज, अलीराजपुर।

प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना के तहत सोण्डवा में निर्मित आवासों में हितग्राहियों को भाजपा जिला अध्यक्ष वकील सिंह ठकराला ने गृह-प्रवेश करवाया।

प्रधानमंत्री आवास योजना गृह प्रवेश कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए जिला अध्यक्ष ने कहा कि, देश के प्रधानमंत्री का सपना है कि, किसी भी वर्ग के लोगों का कच्चा मकान ना रहे, सभी के पक्के मकान हो, वो सपना धीरे-धीरे पुरा होता दिखाई दे रहा है। गांव, फलियो में जाते हे तो अब अधिकांश पक्के मकान नजर आ रहे है। सोण्डवा में दस हजार के ऊपर पक्के मकान आवास योजना के बन चुके है और पांच हजार मकान का और लक्ष्य है। ठकराला ने कहा कि, प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री ने हमेशा बिजली, पानी व सडक पर काम किया है। आप लोगों को भी अपने गांव शहर के विकास के लिए आगे आकर सहयोग करना होगा। आयोजन में जनपद पंचायत सीईओ रवि मुवेल, मांगीलाल रावत, मण्डल अध्यक्ष जयपाल सिंह, ग्रामीणजन आदि मोजुद थे।

बड़वानी भाजपा जिलाध्यक्ष के खिलाफ एफआईआर की मांग को लेकर कांग्रेस ने किया चक्काजाम

माही की गूंज, आलीराजपुर

विगत दिनो जोबट मे भाजपा द्वारा आयोजित कार्यक्रम मे बडवानी भाजपा जिलाध्यक्ष ओम सोनी ने मंच से जोबट विधायक सुश्री कलावती भुरिया के खिलाफ अशोभनीय एवं विवादित बयानबाजी की थी। इस मामले को लेकर जिला कांग्रेस ने सोमवार को ओम सोनी द्वारा विवादित की गई बयानबाजी के विरोधस्वरुप आदिवासी जाति-जनजाति अंत्यावार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज करने की मांग को लेकर खंडवा-बडौदा हाईवे मार्ग स्थित पुलिस कंट्रोल रुम अजाक थाने के सामने विरोध-प्रदर्शन कर करीब तीन घंटे तक चक्काजाम किया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल, विधायक मुकेश पटेल सहित बडी संख्या मे कांग्रेसी नेता, कार्यकर्ता उपस्थित थे।

एफआईआर की मांग को लेकर अड़े रहे कांग्रेसी

जिला कांग्रेस कार्यालय पर क्षेत्र के सेकडो कांग्रेसी नेता एवं कार्यकर्ता जमा हुए। यहां से जिला कांग्रेस अध्यक्ष महेश पटेल एवं विधायक मुकेश पटेल के नेत्रत्व मे रैली निकाली गई, जोबट विधायक सुश्री भुरिया के साथ हुए अपमान के विरोधस्वरुप नारेबाजी करते हुए रैली नगर के पंचेश्वर मंदिर, दाहोद नाके होते हुए स्थानिय पुलिस कंट्रोल रुम अजाक थाने पर पहुंची। जहां पर कांग्रेसी नेताओ ने बडवानी भाजपा जिलाध्यक्ष ओम सोनी द्वारा सार्वजनिक मंच से जोबट विधायक सुश्री भुरिया के खिलाफअशोभनीय एवं विवादित बयानबाजी के विरोध मे सोनी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराने पहुंचे। अजाक प्रभारी ने तत्काल एफआईआर दर्ज नही करते हुए मामले की जांच करने का आश्वासन दिया। परंतु कांग्रेसी नेता एफआईआर दर्ज करने की मांग पर अडे रहे। गुस्साए कांग्रेस नेता एवं कार्यकर्ताओ ने खंडवा-बडौदा हाईवे मार्ग स्थित पुलिस कंट्रोल रुम अजाक थाने के सामने विरोध प्रदर्शन करते हुए चक्काजाम कर दिया। चक्काजाम करीब तीन घंटे तक चलता रहा, कांग्रेसियो ने मुख्यमंत्री एव पुलिस के खिलाफजमकर नारेबाजी की। इसी बिच एएसपी बिटटु सहगल, एसडीएम श्यामविर सिंह, एसडीओपी धीरज बब्बर, अजाक थाना प्रभारी आरसी भाकर, थाना प्रभारी दिनेशचंद्र सोलंकी द्वारा कांग्रेसी नेताओ से चर्चाकर मामले की जांच कर आगामी चार दिनो मे कार्रवाई का आश्वाशन दिया गया। उसके पश्चात कांग्रेसी नेता ओर कार्यकर्ताओ ने चक्काजाम समाप्त किया।

धरने में ये थे उपस्थित

इस अवसर पर ब्लाक कांग्रेस अध्यक्ष केलाश चौहान, मदन डावर, मोहन भाई, जहिर मुगल, तरुंण मंण्लोई, लईक भाई, सानी मकरानी, युवा नेता बापु पटेल, अजहर चंदेरी, दिलीप पटेल, सोनु वर्मा, मंसुर मर्चेंट, सिराज पठान, सुरेंद्र चौहान, जितु देवडा, मानसिंह भाई, ईरफान मंसुरी, संजय माहेश्वरी, राजु चौहान सहित बडी संख्या मे कांग्रेसी नेता, कार्यकर्ता व महिलाए तथा पंच-सरपंच मोजुद थे।

रविवार को की प्रेसवार्ता में कांग्रेस ने ओम सोनी का क्यो नही उठाया था मुद्दा

पूर्व भाजपा विधायक नागरसिंह व कांग्रेस की जोबट विधायक कलावती भूरिया के मध्य उदयगढ़ में धर्मांतरण का मामला दर्ज होने व नागरसिंह द्वारा दुसरे दिन प्रेसवार्ता कर कलावती को यह झाबुआ नही है अलीराजपुर जिला है हम धर्मांतरण करने वाले व सहियोग करने वाले किसी को नही छोडेगे आदी बातो के साथ कलावती पर कटाक्ष किया था, जिसके बाद कलावती ने प्रेसवार्ता की, जिसके बाद ओर मामला बिगडा और भाजपा ने अलीराजपुर व जोबट में अपना शक्ति प्रदर्शन कलावती के विरूद्ध दिखाया जिसके बाद कलावती ने झाबुआ में शनिवार को प्रेसवार्ता की तब तक अलीराजपुर जिले का कांर्ग्रेस संगठन चुप्पी सादे बेठा था परन्तु रविवार को कांग्रेस संगठन ने प्रेसवार्ता कर कहां कांग्रेस के सभी कलावती के साथ खडे है और नागरसिंह व भाजपा पर कांग्रेस बरसी पर ओम सोनी का कोई मुद्दा पुरी प्रेसवार्ता में कांग्रेस ने नही उठाया, परन्तु सोमवार को ही फिर से मुद्दा उठाकर कांग्रेस ने ओम सोनी के खिलाफधरना दिया, जिसको लेकर ये ही चर्चा है कि, एक दिन पूर्व प्रेसवार्ता में बडवानी भाजपा जिलाध्यक्ष ओम सोनी का कोई मुद्दा नही उठाया पर दुसरे दिन इस मुद्दे को इस तरह से उठाने का क्या कारण बना।

रिंकू शर्मा हत्याकांडः परशुराम सेना ने की दोषियों पर कर्रवाई की मांग

माही की गूंज, शुजालपुर।

शुजालपुर परशुराम सेना एवं शुजालपुर इकाई द्वारा राष्ट्रपति के नाम अनुविभागीय अधिकारी शुजालपुर को ब्राह्मण समाज युवा शाखा अध्यक्ष, पार्षद प्रवीण जोशी के नेतृत्व में एक ज्ञापन सोंपकर ब्रह्म समाज के युवक पंडित रिंकू शर्मा की निर्मम हत्या के विरोध में हत्यारों पर त्वरित कार्रवाई की मांग की गई।

ज्ञापन का वाचन परशुराम सेना जिला संयोजक ने किया। जैसा की सर्वविदित है कि 10 फरवरी को मंगोलपुरी दिल्ली निवासी ब्राह्मण युवक पंडित रिंकू शर्मा की निर्मम हत्या कर दी गई थी ब्राह्मण समाज के विरुद्ध इस तरह की घटनाएं अनवरत होती जा रही हैं, जिससे ब्राह्मण समाज अत्यंत व्यथित एवं आक्रोशित है इस तरह की घटनाएं ना ही देश हित में ना ही समाज हित में हो साथ ही इस प्रकार की घटनाएं देश की अखंडता एवं सब संप्रभुता के लिए घातक सिद्ध हो सकती है। अतः भारतवर्ष के सर्वोच्च सम्मानित पद पर विराजमान राष्ट्रपति भारत से समस्त ब्राह्मण समाज एवं परशुराम सेना जिला शाजापुर शुजालपुर मध्यप्रदेश यह निवेदन करता है कि, उक्त जघन्य कृत्य करने वाले विकृत मानसिकता के लोगों पर कठोरतम कार्रवाई की जावे जिससे पंडित रिंकू शर्मा एवं परिवार जन को उचित न्याय मिल सके। इस अवसर पर प्रांतीय मुख्य प्रबन्धन सदस्य ओम पंचोली, दीपक शर्मा लखन दुबे, सुधीर व्यास, मधुरेश अम्बारखाने, अखिलेश जोशी, आनंद शर्मा, अरुण शर्मा, मनोज शर्मा, अनिल उपाध्याय, रूपेश शर्मा, राजेश शर्मा, पंकज उपाध्याय, राजकुमार आदि समाज जन उपस्थित रहे।

वनखंड गल्धर प्लाटेंशन में लगी आग, एक घंटे में पाया काबू

माही की गूंज, कुशलगढ़ (राज.)। नितिन झाकरोद

बांसवाड़ा जिले की क्षेत्रिय रेंज वन क्षेत्र कुशलगढ़ के वनखंड गल्धर छोटी में कोठारिया तालाब से आगे तार फेंसिंग प्लांटेशन में बुधवार दोपहर को अचानक आग लगने से खलबली मच गई। सूचना पर मौके पर कुशलगढ़ नगरपालिका से दमकल पहुंचा साथ ही वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची, जहां काफी मशक्कत के बाद एक घंटे में आग पर काबू पाया गया। बताया जा रहा है, पूर्व रेंजर घनश्याम सिंह सिसोदिया के कार्यकाल में लाखों रुपए की लागत से प्लाटेंशन स्थापना होने के बाद तार फेंसिंग का काम हुआ था, जहां तीन सौ से अधिक पेड़ पौधै जलकर राख हो गए। वही तार फेंसिंग होने से दमकल ने रोड से आग बुझाई। आग लगने के कारणों का पता नहीं लगा है, ऐसे में तार फेंसिंग प्लांटेशन में आग लगने पर भी सवालिया निशान लगे हैं।

बाटल पर अपना निजी होलोग्राम लगाकर ठेकेदार अवैध शराब बिक्री को बना देता है वैध शराब

अवैध अड्डों पर ठेकेदार के लगे होलोग्राम को देख अवैध शराब को वैध मानकर आबकारी पुलिस नहीं करती कार्रवाई

माही की गूंज झाबुआ/पेटलावद।

माही की गूंज शराब माफियाओं के तथ्यात्मक रूप से हमारे सूत्रों के माध्यम से प्राप्त समाचार प्रकाशित होने पर हड़कंप सी मच गई है और ठेकेदारों के तलवे चाटने वाली आबकारी विभाग के अधिकारी भी सकते में हैं। समाचार छपने पर कार्रवाई करे तो ठेकेदारों से मिलने वाली मोटी रकम नहीं मिले और कार्रवाई नहीं करे तो समाचार छपने के कारण आम लोगों को क्या जवाब दे? के संक्षय में आबकारी फंसी हुई है और हमेशा की तरह छोटी-बड़ी कार्रवाई कर शराब पकड़ने की कार्रवाई की इतिश्री कर शराब ठेकेदार को भी खुश कर रही है तो वही आम लोगों को जवाब देने के लिए कार्रवाई का ढकोसला भी कर रही है।

इतना ही नहीं आबकारी व पेटलावद, रायपुरिया के ठेकेदार के पार्टनर व ठेकेदार की चमचागिरी कर अपनी रोटियां सेकने वाले प्रयास कर रहे हैं कि, माही की गूंज में जिस तरह से मय प्रूफके समाचार छप रहे हैं उन्हें डरा-धमकाकर व अपने मुलाजिमों को मोहरा बनाकर झूठे अपराध भी दर्ज करवाने के लिए षड्यंत्र रचने में कोई कसर नहीं छोड़ रहे हैं।

चोटीधारी शराब माफिया तुकाराम के जेल पहुंचने के समाचार के बाद बौखलाए शराब माफिया

बतादे कि, पेटलावद, रायपुरिया ग्रुप का शराब पार्टनर उर्फ शराब माफिया चोटीधारी तुकाराम पिता शांतिलाल चौहान निवासी झिरण जो कि एक वर्ष से फरारी आरोपी होकर राणापुर पुलिस की गिरफ्त में आकर उसके जेल पहुंचने की वास्तविकता गूंज में प्रमुखता से प्रकाशित होने के बाद से ही गूंज के इस कलमकार को पूरी तरह से डराने-धमकाने का प्रयास किया, जो कि इन माफियाओं ने पूर्व में भी समाचार प्रकाशित होने पर जान से मारने तक का प्रयास करने में पीछे नहीं हटे हैं, लेकिन यह कलम माफियाओं के आगे न कभी झुकी है न कभी झुकेगी।

गूंज के सूत्र हुए सक्रिय

चोटीधारी शराब माफिया तुकाराम के समाचार प्रकाशित होने के बाद हमारे सूत्र भी सक्रिय हुए और उनके द्वारा दी गई पुख्ता जानकारी को माही की गूंज ने प्रमुखता से स्थान देकर समाचारों को प्रकाशित किया। जिसमें किस तरह से शराब माफिया क्षेत्र में अवैध शराब सप्लाई करते हैं, वरन् किन-किन संसाधनों से किस स्थान से ठेकेदार का कौन-कौन मुलाजीम अवैध शराब सप्लाई करता है, का खुलासा किया था। जिसके बाद आबकारी अधिकारी जयश्री वर्मा ने खानापूर्ति के रूप में कार्रवाई की। उक्त कार्रवाई माही की गूंज में प्रकाशित समाचार के कारण ही हुई है का भी खुलासा, ठेकेदार के दल्लो उर्फगुर्गो ने किया।

आबकारी विभाग के अधिकारी ठेकेदार के चाटते हैं तलवे, आखिर ऐसा क्यों कहा जाता है?

यह एक अहम सवाल है कि, शराब ठेकेदार उर्फ शराब माफिया व मुख्य रूप से शराब दुकान पर या शराब दुकान से अवैध शराब की बिक्री पर कार्रवाई करने का कार्य आबकारी विभाग के अधिकारियों का है। लेकिन आबकारी विभाग के अधिकारी शराब ठेकेदार उर्फमाफिया जो लाइसेंसी शराब दुकान के साथ ही क्षेत्र में खुल्ले रूप से आबकारी विभाग के अधिकारियों के सामने ही यूं कहें कि, उनके ही अनाधिकृत निर्देशन में क्षेत्र में अवैध शराब बिकवाती है, वरन् यहां कार्रवाई करने के बजाए क्षेत्र में कोई एजेंट क्षेत्रीय ठेकेदार की शराब नहीं लेकर अन्य क्षेत्र से कम भाव में शराब लाकर बेचता है तो, ठेकेदार अपने गुर्गो के माध्यम से मुखबरी निकालकर आबकारी विभाग को निर्देश देकर कार्रवाई करने हेतु एजेंट के यहां भेजते हैं। वही आबकारी के अधिकारी भी जब-जब कार्रवाई का ढकोसला करते है, तब-तब क्षेत्र में अवैध अड्डो पर दंबिश देने जाती है तो, वह कार्रवाई भी महज ठेकेदार की अवैध शराब की बिक्री को बढ़ावा देने हेतु होती है। चुकी कार्रवाई के दौरान एजेंट बता देता है कि, यह शराब क्षेत्र के ठेकेदार की ही है तो वह शराब आबकारी के अधिकारी नहीं पकड़ते हैं वरन् अन्य क्षेत्र की शराब होती है तो उसे आबकारी विभाग जप्त कर लेती है और आगे से क्षेत्र के बाहर से शराब नहीं लाकर क्षेत्र के ठेकेदार से ही शराब लेने की हिदायत देती है। इसीलिए आबकारी विभाग के अधिकारियों को ठेकेदार के तलवे चाट कर उनके कहे अनुसार कार्रवाई करने की बात कही जाती है।

ठेकेदार प्रत्येक शराब बाटल पर क्यों लगाता है अपने निजी होलोग्राम

कई बार अवैध शराब बेचने वाले, आबकारी विभाग के अधिकारियों को बाहरी क्षेत्र की शराब होने के बावजूद भी क्षेत्र के ठेकेदार की शराब होना बताकर अवैध शराब बेचने वाले एजेंट आबकारी की कार्रवाई से बच जाता है। परंतु जब शाम को कार्रवाई की सूचना आबकारी अधिकारी, ठेकेदार एवं उनके गुर्गो को देकर कहते हैं कि, जहां बाहरी क्षेत्र की शराब होने की बात कही थी वहां तो आपके ही ठेके की शराब थी, जिसके कारण कार्रवाई नहीं की गई। उक्त चर्चाओं के साथ ठेकेदार अपने मुखबरी को प्राथमिकता देकर एजेंट के यहां बाहरी क्षेत्र की ही शराब होना बताकर आबकारी अधिकारी पर ठेकेदार व गुर्गे आरोप लगाकर कहा जाता है, साहब वहा बड़ी मात्रा में शराब मिली होगी पर आपको वहां से अच्छा पैसा मिल गया होगा, इसलिए आपने कार्रवाई नहीं की और आप हमें सहयोग नहीं कर रहे हैं आपकी शिकायत उच्च अधिकारी को करेंगे। चूकि शराब ठेकेदार अपने अवैध कारोबार करने के लिए उच्च अधिकारियों तक रिश्वत देता है, इसीलिए शराब बेचने वाला एजेंट आबकारी अधिकारी को बाहरी क्षेत्र की शराब होने पर बेवकूफ न बना दें और ठेकेदार व आबकारी विभाग के बीच ठेकेदार के पक्ष में कार्रवाई का संशय न हो, जिसके लिए ठेकेदार व आबकारी अधिकारी के मध्य टेगमार्क के रूप में पेटलावद, रायपुरिया व बामनिया क्षेत्र के ठेकेदार शराब की दुकान से अवैध रूप से अपने क्षेत्र में बिकने वाली शराब की सभी बाटल पर मध्यप्रदेश शासन के लगे होलोग्राम के साथ एक अन्य चौकोर हरे रंग का निजी होलोग्राम लगाकर अवैध शराब एजेंटों को गांव-गांव में सप्लाई की जा रही है। क्षेत्र के बाहर जाने वाली शराब की बांटलो पर ठेकेदार का निजी होलोग्राम नहीं लगाया जाता। वही पेटलावद वृत के आबकारी अधिकारी क्षेत्र में अवैध शराब को पकड़ने का ढकोसला कर कार्रवाई हेतु जाते हैं तो, ठेकेदार के निजी लगे होलोग्राम वाली अवैध शराब को आबकारी अधिकारी वैध शराब घोषित कर आ जाते हैं और जहां पर ठेकेदार के निजी होलोग्राम वाली शराब की बाटल नहीं होती है, उसे ही अवैध शराब की बिक्री के रूप में कार्रवाई करते है।

आबकारी पुलिस व ठेकेदार के मध्य पहचान हेतु अवैध रूप से बिक रही शराब पर लगा निजी होलोग्राम जिसे आबकारी वैध मानकर नही करती है कार्रवाई।

गुजरात की निजी बस जब्त, छोटे बच्चों सहित रात भर परेशान रहे यात्री

माही की गूंज, आम्बुआ। क्षेत्र में इन दिनों गुजरात प्रांत की टूरिस्ट बसों के नाम पर प्रतिदिन मध्यप्रदेश के अलीराजपुर, झाबुआ, बड़वानी, धार आदि अनेक जिलों में बसों का संचालन अवैध रूप से बेधड़क किया जा रहा है। बतादे कि, कई बसें खटारा है तो कई के पास परमिट फिटनेस तो किसी के पास टैक्स के कागजात तक नहीं होते हैं। प्रशासन की उदासीनता या मिलीभगत से चल रहे इन वाहनों में से इक्का-दुक्का कार्रवाई की जाती है। इसी कड़ी में आम्बुआ में भी एक यात्री बस जब्त की गई जिस कारण उसमें सवार ग्रामीण मजदूर, बच्चे, महिलाएं, रात भर थाने के बाहर ठंड में सिकुड़ते रहे। पता चला है कि, कराधान एवं ओवरलोडिंग के कारण बस जप्त की गई है।

कुछ यात्रियों ने बताया कि, बड़वानी से गुजरात की बस क्रमांक जीजे 16 यु 3638 द्वारा अमरेली (गुजरात) जा रहे थे, जिसे सोमवार की रात आम्बुआ थाने पर जप्त कर लिया गया। बस में लगभग 60-70 सवारियों में महिला, पुरुषों के साथ छोटे-छोटे बच्चे भी थे, बस जप्त होने के कारण सभी रात में थाना परिसर में खुले आसमान के नीचे ठंड में पड़े रहे। कंडक्टर से जब बस जब्ती क्यों कि गई पछा तो कहा कि, उसे पता नहीं है वह भी रात से परेशान है। मंगलवार को अन्य किसी वाहन से सभी यात्रीयो को गंतव्य के लिए रवाना किया गया। पुलिस से जानकारी चाही गई तो, यह कह कर मना कर दिया कि, नवागत एसपी द्वारा समाचार नहीं देने का निर्देश है। फिर भी जो जानकारी मिली उसके मुताबिक बस को कराधान तथा क्षमता से अधिक सवारियो के कारण जप्त करना बताया गया है। स्मरण रहे कि, क्षेत्र में गुजरात प्रांत की अनेक निजी यात्री वाहन प्रतिदिन मध्यप्रदेश के कई जिलों से गुजरात के लिए मजदूर ले जाने का कार्य कर रही है। सूत्र बताते हैं कि, कई बार खटारा अनफिट तथा बीमा, टैक्स, परमिट आदि के बगैर भी बसें चलती है जो कि प्रशासन की उदासीनता या मिलीभगत की ओर इशारा करता है। कभी-कभी कुछ वाहनों पर कार्रवाई की जाती है इसके बावजूद इनका संचालन बदस्तूर जारी रहता है। इन यात्री वाहनों में मजदूरों को भेड़-बकरियों की तरह ठूस-ठूस कर भरा जाता है। छतों पर क्षमता से अधिक लगेज, दो पहिया वाहन आदि तक

चढ़ा लिए जाते हैं। कई बार दुर्घटनाएं हो जाने के बावजूद भी शासन-प्रशासन उदासीन बना हुआ है।

ट्रक ने कार को मारी टक्करः पंचेड़ फंटे पर हुए भीषण सड़क हादसे में 3 युवकों की मौत एक गंभीर

शादी समारोह से लौट रहे थे राजपूत समाज के युवक बने काल का ग्रास, समाज मे शोक की लहर

माही की गूंज, रतलाम। राघवेंद्र सिंह डोडिया

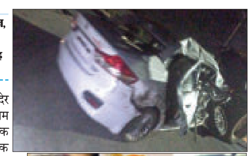

सोमवार देर रात रतलाम जिले में सड़क हादसे में एक बार फिर तीन युवाओं की जान चली गई, जिला मुख्यालय से करीब 16 किलोमीटर दूर महू-नीमच हाईवे (नयागांव-लेबड़ फोरलेन) पर पंचेड़ फंटे पर तेज रफ्तार से जा रहे ट्रक ने कार को जोरदार टक्कर मार दी। इससे कार में सवार तीन युवकों की मौत हो गई और एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसे जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी अनुसार संग्राम सिंह पिता प्रताप सिंह (28) निवासी संचार नगर इंदौर, अभिराज सिंह पिता लोकेंद्र सिंह (24) निवासी इंद्रलोक नगर रतलाम, हर्षवर्धन सिंह पिता विक्रम सिंह (30) निवासी अलकापुरी रतलाम और पृथ्वीपाल सिंह पिता दीपेंद्र सिंह (28) निवासी ग्राम अमलेटा (रतलाम) नामली थाना क्षेत्र के ग्राम पंचेड़ में आयोजित शादी समारोह में शामिल होने गए थे। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात करीब एक बजे चारो कार एमपी 09 सीयू 3481 में सवार होकर पंचेड़ से रतलाम लौट रहे थे, तभी नामली थाना क्षेत्र के पंचेड़ फंटा पहुंचकर सड़क क्रॉस कर रहे थे लेकिन रतलाम की तरफसे तेज गति से जा रहे ट्रक आरजे 27 जीडी 2021 ने कार को टक्कर मार दी, कार में सवार चारों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां संग्राम सिंह, अभिराज सिंह और हर्षवर्धन को मृत घोषित किया गया। पृथ्वीपाल सिंह को इमरजेंसी वार्ड में भर्ती किया गया है, जहां उसका इलाज चल रहा है। दुर्घटना में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई वहीं ट्रक कुछ दूर आगे जाकर पलट गया, ट्रक चालक और क्लीनर ट्रक छोड़कर भाग गए, पुलिस उनकी तलाश कर रही है। दुर्घटना के बाद मर्त युवकों के परिवार सहित राजपूत समाज मे शोक की लहर छा गई।

लापरवही की भेंट चढ़कर खत्म हुई बामनिया की नल-जल योजना

बिना चेक और ट्रायल किए पंचायत ने हैंडओवर कर ली व्यवस्था, नही पहुंच पा रहा सभी नलों तक पानी, फिल्टर भी हुआ खराब

माही की गूंज, बामनिया। गौरव भंडारी

कहते है अगर शाशन द्वारा दी जाने वाली राशि का उपयोग सही हाथो में नही हो तो सरकार की सुविधा देने की मंशा पर पानी फिर जाता है। ऐसा ही कुछ देखने को ग्राम पंचायत बामनिया में मिल रहा है, जहां पूर्व पंचायत, जनप्रतिनिधियों और आमजन के अथक प्रयासों से ढाई करोड़ की नल-जल योजना के अंतरगत स्वीकृती हुई थी, योजना मूर्त रूप लेती इससे पहले ग्राम पंचायत में नई बॉडी का गठन हो गया। वही आम जन को उम्मीद थी कि, पंचायत योजना का काम करने वाली एजेंसी के साथ मिल कर नगर को अच्छी सौगात देगी, लेकिन जनता के अरमानों पर पानी फिर चुका है। ढाई करोड़ की योजना महज देखने की रह गई है, नई पंचायत बॉडी का कार्यालय अपने अंतिम वर्ष में है, लेकिन इन चार सालों से अधिक के समय मे नल-जल योजना को सुचारू रूप से शुरू नही कर पाए। योजना के लिए लगाए गए प्लांट की स्थिति इतनी दयनीय है कि, ग्राम पंचायत को इतने समय के बाद भी अपनी पुरानी व्यवस्था के भरोसे ही रहना पड़ रहा है। प्लांट पर लगा फिल्टर खराब हो चुका है और नगर में बिछाई गई पाईपलाइन इतनी घटिया दर्जे की बिछाई गई कि, ग्राम पंचायत द्वारा किए गए सभी नल

कनेक्शनो तक पानी ही नही पहुंच पा रहा है। गत दिनों पाईपलाइन को चेक करने के लिए फिर से खोला गया तो चौकीदार फलिए, और कल्लू बाबू वाली लाइन में पानी का सप्लाई ही नही हुआ, सभी ओर से प्रयास करने के बाद भी इन दोनों जगह पानी नही जा सका। वही ग्राम के कई वार्डो में आधे कनेक्शन तक ही पानी पहुंच रहा है, जिससे पंचायत के सामने एक साथ सभी नल कलेक्शनो तक पानी पहुचाने का संकट खड़ा हो गया, जिस कारण अब पुरानी ही व्यवस्था पर लौटना पड़ रहा है।

पंचायत ने अधूरी पाईपलाइन को ही कर ली हैंडओवर

कार्य के अनुबंध की शर्तो के मुताबिक ठेकेदार को पाईपलाइन का कार्य पूर्ण कर एक वर्ष तक मेंटेनेंस करना था, लेकिन मिली जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत ने आधी-अधूरी योजना को बिना ट्रायल करे ही अपने हैंडओवर कर लिया। अब नल-जल योजना में हो रही खराबी की सुधारने के लिए ग्राम पंचायत को अपरिपक्क लोगो पर निर्भर होना पड़ रहा जिनके द्वारा किए जा रहे सुधार नाकाफी साबित हो रहे है।

फिल्टर खराब, मिलेगा गंदा पानी

लाड़की बैराज पर योजना को संचालित करने के लिए 15 हार्स पावर की मोटर लगा रखी है जहां से पानी कुप में और कुप से फ़िल्टर प्लांट में आता है, जहां से पानी फिल्टर होकर पानी की टंकी में जाता है और वहां से ग्राम में पानी सप्लाई किया जाता है। लेकिन योजना में लगा फिल्टर प्लांट खराब पड़ा है, जिस कारण पानी डेम से कुप तक नही लाया जा रहा है, अगर पानी बिना फिल्टर के ही गंदा पानी ग्राम में सप्लाई किया तो लोगो मे बीमारीया होने का खतरा बढ़ जाएगा।

विभाग बता रहा योजना संचालित, मौके पर सब गायब

पूरी योजना का कार्य पीएचई विभाग की देख-रेख में किया गया लेकिन विभाग द्वारा कार्य मे कोई रुचि नही ली और ठेकेदार ने मनमाने ठंग से कार्य कर इतिश्री कर ली। कार्य के उपयंत्री बामनिया का कहना है कि, नई पाईपलाइन ओर स्वीकृत करवाकर जोड़ी जाएगी। पूरे मामले को देखा जाए तो ग्राम पंचायत और पीएचई विभाग की भारी लापरवाही के कारण नगर को मिली ढाई करोड़ की इतनी बड़ी सौगात केवल कागजो पर सिमट कर रह गई है। पीएचई विभाग को ये भी नही पता कि, योजना का संचालन नही किया जा पा रहा है और केवल योजना को टेस्ट करने के नाम पर ही विभाग ने ठेकेदार को हरी झंडी देकर भुगतान कर दिया और अब नई पाईपलाइन की बात कर शासन को चुना लगाने की नए रूप से तैयारी की जा रही।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, अलका भटेवरा द्वारा काम्पेक प्रिन्टर्स प्रायवेट लिमिटेड, 3/54, प्रेस कॉम्प्लेक्स, ए. बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 499, बाजना मार्ग, गणेश मंदिर के सामने, खवासा, तहसील थांदला, जिला-झाबुआ (म.प्र.) से प्रकाशित। प्रधान संपादक- संजय भटेवरा, संपादक- धर्मेन्द्र पंचाल । मोबाइल नं. -95898-82798 (सभी विवादों का न्यायालय क्षेत्र झाबुआ रहेगा) आरएनआई नंबर- एमपीएचआईएन/2018/76422